● सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 234, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 06 अक्टूबर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

केन्द्र की मदद के बिना नहीं चल सकती हिमांचल सरकार 5

संजू सैमसन करेंगे ओपन, दो खिलाड़ियों का डेब्यू! 6

हम बंटे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे : पीएम

पीएम मोदी ने मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो का किया शुभारंभ

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की बहुप्रतीक्षित पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो एक्वा लाइन 3 के पहले चरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। मुंबई की पहलीअंडर ग्राउंड मेट्रो एक्वा लाइन 3 देश की पहली संपूर्ण भूमिगत मेट्रो है। उन्होंने 14120 करोड़ रुपये की लागत वाली मुंबई मेट्रो लाइन 3 के बीकेसी से आरे जेवीएलआर खंड का उद्घाटन किया। ठाणे में परियोजना के उद्घाटन के साथ ही पीएम ने ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना और एलिवेटेड ईस्टर्न फ्री वे एक्सटेंशन सहित 32,800 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इसके अलावा उन्होंने नवी मुंबई हवाईअड्डा प्रभाव अधिसूचित क्षेत्र परियोजना का भी शिलान्यास किया। पीएम ने कहा कि कांग्रेस, भारत की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी है। चाहे कोई भी दौर हो, कोई भी राज्य हो, कांग्रेस का चरित्र नहीं बदलता। हिमाचल में कांग्रेस सरकार ने तो हद ही कर दी है। हिमाचल में कांग्रेस सरकार ने टॉयलेट टैक्स लगाया है। एक ओर मोदी कह रहा है टॉयलेट बनाओ और ये कह रहे हैं कि हम टॉयलेट पर टैक्स लगाएंगे। कांग्रेस लूट और फरेब का पूरा पैकेज है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस जानती है कि उनका वोट बैंक तो एक रहेगा, लेकिन बाकी लोग आसानी से बंट जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उनके साथियों का एक ही मिशन है, समाज को बांटो और सत्ता पर कब्जा करो। इसलिए हमारी एकता को ही देश की ढाल बनाना है। हमें

याद रखना है कि अगर हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे। हमें कांग्रेस और अघाड़ी वालों के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देना है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस का असली रंग खुलकर सामने आ गया है। कांग्रेस को अब अर्बन नक्सल का गैंग चला रहा है। पूरी दुनिया में जो लोग भारत को आगे बढ़ने से रोकना चाहते हैं, कांग्रेस अब खुलकर उनके साथ खड़ी है। इसलिए अपनी घोर असफलता के बावजूद कांग्रेस, सरकार बनाने का सपना देख रही है।

पीएम ने कहा कि मुंबई की एक्वा लाइन मेट्रो का शुभारंभ हुआ है। इस लाइन का मुंबई के लोग काफी समय से इंतजार कर रहे थे। मैं जापान सरकार का भी आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जापान ने जापानीज इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के जरिये इस प्रोजेक्ट में बहुत सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि ठाणे से बाबा साहेब ठाकरे का खास लगाव था। यह स्व. आनंद दिघे का भी शहर है। इस शहर ने देश को आनंदी बाई जोशी जैसी देश की पहली महिला डॉक्टर दी थी। हम इन विकास कार्यों के जरिये इन महान विभूतियों के संकल्प को भी पूरा कर रहे हैं। मैं इन सभी विकास कार्यों के लिए महाराष्ट्र के सभी लोगों को बधाई देता हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। ये केवल मराठी और महाराष्ट्र का सम्मान नहीं है, बल्कि ये उस परंपरा का सम्मान है, जिसने इस देश को ज्ञान, दर्शन, अध्यात्म और साहित्य की समृद्ध संस्कृति दी है। मैं इसके लिए देश और दुनिया में मराठी बोलने वालों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार ने 33 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के विकास कार्यों को शुरू किया है। यह विकास कार्य मुंबई और ठाणे को आधुनिक पहचान देंगे। पीएम ने कहा कि आज हर भारतवासी का एक ही लक्ष्य है विकसित भारत। इसलिए, हमारी सरकार का हर निर्णय, हर संकल्प, हर सपना विकसित भारत के लिए समर्पित है।

अदम्य साहस और वीरता की प्रतीक, वीरांगना रानी दुर्गावती: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मातृ-शक्ति के खातों में अंतरित किये 1574 करोड़ रुपए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती का दिन शौर्य और बलिदान के स्मरण, नारी सशक्तिकरण एवं सम्मान का दिन है। रानी दुर्गावती अदम्य साहस और वीरता की प्रतीक थीं। उनके जीवित रहते कभी भी मुगल, पठान, सुल्तान या अन्य कोई भी आक्रांता गोंडवाना की तरफ आँख उठाकर नहीं देख सका। रानी दुर्गावती ने अंतिम श्वांस तक अपने राज्य को आक्रांताओं से सुरक्षित रखा और उसकी सुरक्षा करते हुए हंसते-हंसते प्राणोत्सर्ग कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके शौर्य और बलिदान को पुनः स्मरण करने के लिये सिंग्रामपुर में जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने के लिये केबिनेट

करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मुझे बेहद प्रसन्नता है कि वीरांगना रानी दुर्गावती की पहली राजधानी से आज लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक से 1934 करोड़ 71 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई है। साथ ही 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के लिए आयुष्मान कार्ड योजना का शुभारंभ और क्षेत्र के विकास के लिये 5 करोड़ 47 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण/भूमि-पूजन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दमोह जिले के ग्राम सिंग्रामपुर में महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित मंत्रि-परिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के पोल ऑफ पोल्स

हरियाणा में कांग्रेस की वापसी के आसार, जम्मू कश्मीर में कांग्रेस-एनसी बना सकते हैं सरकार

नई दिल्ली। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की वोटिंग खत्म होने के बाद एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस सरकार में वापसी करती दिख रही है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सत्ता में आने का अनुमान है।

ये अनुमान हरियाणा के 12 और जम्मू-कश्मीर के 10 एग्जिट पोल्स में सामने आए हैं। इनमें भास्कर का रिपोर्टर्स पोल भी शामिल है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की 90-90 सीटों पर वोटिंग पूरी हो चुकी है। नतीजों का ऐलान 8 अक्टूबर को होगा। इन राज्यों में सरकार बनाने के लिए 46 सीटों पर जीत की जरूरत है।

हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों तक पहुंचे। आम लोगों, पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स और सीनियर जर्नलिस्ट से बात करके हवा का रुख समझा। इस बातचीत से समझ आया कि हरियाणा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनेगी और वह अपने बलबूते सरकार भी बना सकती है।

जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों तक गए और हवा का रुख समझा। चुनाव के दौरान हमने आम लोगों, पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स, सीनियर जर्नलिस्ट और पॉलिटिकल पार्टियों से बात की। इससे समझ आया कि 10 साल बाद भी जम्मू-कश्मीर में एक पार्टी या अलायंस को बहुमत के लिए जरूरी 46 सीटें मिलती नहीं दिख रही हैं।

इंडिगो एयरलाइन का सर्वर डाउन, बुकिंग और चेक-इन करने में परेशानी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन का ऑनलाइन पैसेंजर सर्विस सिस्टम डाउन हो गया है। लोग एयरलाइन के टिकट की ऑनलाइन बुकिंग और चेक-इन नहीं कर पा रहे हैं। एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट्स की उड़ान और ग्राउंड सर्विसेस भी प्रभावित हुई हैं। इसके चलते देशभर के एयरपोर्ट्स पर पैसेंजर्स की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। एयरलाइन की तरफ से परेशानी के बारे में तो जानकारी दी गई है, लेकिन पैसेंजर्स के लिए कोई वैकल्पिक इंतजाम न हो पाने की वजह से वे घंटों तक एयरपोर्ट्स पर इंतजार कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के अमरावती में पुलिस पर पथराव, 21 पुलिसकर्मी घायल

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में शुक्रवार देर रात को नागपुरी गेट पुलिस स्टेशन पर पथराव हुआ। इसमें 21 पुलिसवाले घायल हुए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर स्थिति को संभाला।

दरअसल, 29 सितंबर को गाजियाबाद में नरसिंहानंद महाराज ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित बयान दिया था। इससे गुस्साई भीड़ ने शुक्रवार देर रात पुलिसवालों पर पत्थरबाजी की।

अमरावती पुलिस कमिश्नर नवीन चंद्र रेड्डी ने बताया कि रात करीब 8.15 बजे कुछ लोग नरसिंहानंद के खिलाफ केस दर्ज कराने नागपुरी गेट पुलिस स्टेशन आए। थाना प्रभारी ने उन्हें बताया कि नरसिंहानंद के खिलाफ एफआईआर पहले ही दर्ज हो चुकी है, जिसके बाद वो लोग लौट गए थे।

कुछ देर बाद बहुत सारे लोग पुलिस स्टेशन आए। उन्होंने नारेबाजी करना शुरू की। थाने में अधिकारियों ने भीड़ को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने पत्थर फेंकना शुरू कर दिए, जिससे 21 अधिकारी घायल हुए और 10 वैन डैमेज हुईं।

हमला करने वाले 1,200 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें से अब तक 26 लोगों की पहचान हो चुकी है। उन पर BNS की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के गुगलधार में लाइन ऑफ कंट्रोल पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना और पुलिस ने दो आतंकियों को मार गिराया है। भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स ने बताया कि शुक्रवार, 4 अक्टूबर को सेना और पुलिस को एक संदिग्ध एक्टिविटी दिखी। इसके बाद जॉइंट आपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान आतंकियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए।

बंगाल में 10 साल की बच्ची का शव मिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना में आज सुबह 10 साल की बच्ची का शव मिला। परिवार ने बच्ची से रेप के बाद उसकी हत्या का दावा किया है। घटना कृपाखाली इलाके के कुलटाली थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्ची 4 अक्टूबर की शाम से लापता थी, लेकिन पुलिस ने एक्शन लेने में देरी की।

घटना के विरोध में लोगों ने महिस्मारी पुलिस चौकी को घेरा और पुलिस पर डंडों और पत्थरों से वार किया। लोगों ने पुलिस चौकी में भी तोड़फोड़ की और आखिर में वहां आग लगा दी। लोगों का आक्रोश देख पुलिसकर्मी चौकी छोड़कर भाग गए। लोगों ने घटनास्थल पर एसडीपीओ और अन्य पुलिसकर्मियों को बंधक बनाने की भी कोशिश की। इसके बाद इलाके में भारी पुलिस बल भेजा गया। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

कुलटाली के टीएमसी विधायक गणेश मंडल ग्रामीणों को शांत करने के लिए मौके पर गए, लेकिन लोगों ने उन्हें भी खदेड़ दिया। मंडल ने बाद में मीडिया से कहा कि वे लोगों के गुस्से को समझते हैं, लेकिन उन्हें कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए।

रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में 3900 रूपये प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त सहायता राशि की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में दमोह जिले के सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के अभूतपूर्व योगदान के सम्मान में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। मंत्रि-परिषद ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में अधिकतम 3900 रूपये प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त सहायता राशि की स्वीकृति दी। योजना वर्ष 2024-25 अंतर्गत गठित महासंघ द्वारा क्रय कोदो-कुटकी पर किसानों को महासंघ द्वारा भुगतान किये गये न्यूनतम क्रय मूल्य के अतिरिक्त यह सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से किसानों के खाते में दिये जाने का निर्णय लिया गया। मंत्रि-परिषद ने निर्णय लिया कि सहकारी बैंकों के माध्यम से वर्ष 2024-25 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना निरन्तर जारी रहेगी।

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश जैन कल्याण बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है। देश में अपने प्रकार का यह पहला कार्य है। जैन समाज के प्रतिभाशाली बच्चे एवं युवाओं को शिक्षा, सामाजिक सरोकार जैसे जैन-मुनियों के प्रवास एवं चातुर्मास के दौरान सुरक्षा एवं बेहतर शिक्षा एवं स्थिति में सुधार आदि के संबंध में शासन की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन जैन समाज के विशेष संदर्भ में प्रभावी तरीके से करने के लिए मध्यप्रदेश जैन कल्याण बोर्ड के गठन का निर्णय लिया गया है। बोर्ड में 01 अध्यक्ष एवं 02 सदस्य होंगे। बोर्ड के गठन से जैन समाज, वर्ग के व्यक्तियों के लिए शासन की कल्याणकारी /जनहितकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन होगा। इससे जैन समाज के आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास को गति मिल सकेगी। बोर्ड में 2 वर्ष क्षेत्रांबर और 2 वर्ष दिगम्बर समाज के कार्यकाल को निर्धारित किया जाएगा। मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान को विकसित करने गठन की स्वीकृति दी। समिति में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री, लोक निर्माण मंत्री, जनजातीय कार्य मंत्री और संस्कृति और पर्यटन मंत्री सदस्य होंगे। जबलपुर में स्थित मदन महल पहाड़ी के 24 एकड़ क्षेत्र को लगभग 100 करोड़ रूपये की लागत से रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। इसमें रानी दुर्गावती की कांस्य प्रतिमा, ओपन एयर थिएटर, कला और शिल्प जोन (शिल्पकला, धातु और टेराकोटा), स्थानीय भोजन की उपलब्धता वाला फूड जोन, जल-संरक्षण संरचनाएं, कैफेटेरिया एवं फिल्म निर्माण पर समिति द्वारा निर्णय लिये जायेंगे।

रिश्ते सुधारने नहीं जा रहा, सिर्फ एससीओ के लिए होगी यात्रा: जयशंकर

नई दिल्ली। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक के लिए पाकिस्तान जा रहे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वे पड़ोसी मुल्क से किसी भी तरह की बातचीत करने के लिए वहां नहीं जा रहे हैं।

दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते वक्त जयशंकर ने कहा कि उनके पाकिस्तान जाने की वजह सिर्फ एससीओ की बैठक है। यह एक बहुपक्षीय इवेंट है। वे वहां पर भारत-पाकिस्तान के रिश्तों पर चर्चा नहीं करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा, एससीओ का एक अच्छा सदस्य होने के नाते मैं पाकिस्तान में बैठक में हिस्सा लेने जा रहा हूं। मैं एक सभ्य आदमी हूं तो वहां जाकर अच्छा व्यवहार ही करूंगा। इसके अलावा जयशंकर ने सार्क के एक्टिव न होने के लिए भी पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, सार्क फिलहाल आगे नहीं बढ़ रहा है। हमने सालों से उसकी कोई बैठक नहीं की है। इसका सिर्फ एक कारण है और वो यह कि संगठन का एक सदस्य दूसरे पर आतंकी हमले कर रहा है। आतंकवाद एक ऐसा मुद्दा है, जिसके साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

5 राज्यों की 22 जगहों पर एनआईए का छापा

नई दिल्ली। नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी ने महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में 22 जगहों पर एक साथ छापा मारा है। एनआईए ने एक आतंकी साजिश मामले को लेकर एक्शन लिया है। इसमें कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एनआईए को आशंका है कि हिरासत में लिए गए लोगों का कनेक्शन आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से है। महाराष्ट्र के मालेगांव, जालना और संभाजीनगर में एनआईए की छापेमारी के दौरान एटीएस की टीम भी मौके पर पहुंची है। मालेगांव में एक होम्योपैथी क्लिनिक से एनआईए ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। जालना से भी 1 शख्स को हिरासत में लिया गया है। इनसे आतंकी गतिविधियों में शामिल होने को लेकर पूछताछ की जा रही है।

भारत ने शॉर्ट रेंज डिफेंस सिस्टम तैयार किया

नई दिल्ली

राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में बेहद कम दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के तीन सफल परीक्षण किए। यह चौथी पीढ़ी का डिफेंस सिस्टम है। इसे बेहद कम दूरी पर कम ऊंचाई वाले हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए बनाया गया है।

इस मिसाइल और लॉन्चर को ऐसे डिजाइन किया गया है कि इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सके। इससे पहले फरवरी, 2024 और सितंबर, 2022 में भी ओडिशा के चांदीपुर परीक्षण रेंज से इसी तरह की मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए गए थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को हालिया परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय सेना को चौथी पीढ़ी की वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलों के परीक्षण के लिए बधाई दी।

वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें किसी भी बड़े शहर या स्ट्रेटजिकली इंपॉर्टेंट लोकेशन की सेफ्टी के लिए जरूरी हैं। इसे रिसर्च सेंटर इमरत, हैदराबाद ने डीआरडीओ और भारतीय कंपनियों के सहयोग से बनाया है। भारतीय सेना का मौजूदा स्टॉक, जैसे एयर डिफेंस गन्स एल 70 और ZU-23, चार दशक से ज्यादा पुराने हैं।

यह डिफेंस सिस्टम अलग-अलग रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए बनाया गया है। इसके लिए दो लेयर वाली इंटरसेप्टर मिसाइलें (दुश्मन की मिसाइलों को मार गिराने वाली मिसाइलें) बनाई गई हैं।

पृथ्वी एयर डिफेंस- इस डिफेंस सिस्टम की मिसाइलें बहुत अधिक ऊंचाई पर जाकर दुश्मन देश की मिसाइल या अन्य हवाई खतरे को तबाह कर सकती हैं।

संविधान की रक्षा के लिए आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा हटाना जरूरी: राहुल

मुंबई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर पहुंचे। यहां राहुल ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए आरक्षण पर मौजूदा 50 प्रतिशत की सीमा हटाना जरूरी है। कोल्हापुर में संविधान सम्मान सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक इस 50 फीसदी की सीमा को हटाने के लिए कानून पारित करना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि हम लोकसभा और राज्यसभा में जाति जनगणना पर कानून पारित करना सुनिश्चित करेंगे और कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि दलितों या पिछड़े वर्गों का इतिहास स्कूलों में नहीं पढ़ाया जा रहा था, उन्होंने आरोप लगाया कि अब उस इतिहास को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि अगर आप ओबीसी समाज को देखें, जैसे ही मैंने स्वप्निल कुमार से हाथ मिलाया, जिन्होंने मुझे मूर्ति दी, संपर्क से ही मुझे समझ आ गया कि इस हाथ में हुनर है। जिन हाथों में हुनर होता है, लोग उन्हें पीछे बिठा देते हैं। भारत में ये 24 घंटे हो रहा है। मैंने कभी स्कूल में दलितों, पिछड़ों का इतिहास नहीं पढ़ा। आज तो इससे भी उल्टा हो रहा है, जो इतिहास है, उसे किताबों से हटा दिया जा रहा है। इतिहास के बिना, अपनी जगह और स्थान की समझ के बिना शिक्षा संभव नहीं है।

इससे पहले राहुल गांधी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। राहुल ने अपने संबोधन में मालवन में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर भाजपा की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को डराने और संविधान, संस्थाओं को नष्ट करने के बाद शिवाजी महाराज के सामने झुकने का कोई फायदा नहीं है। अगर छत्रपति शिवाजी महाराज और शाहू महाराज जैसे लोग नहीं होते तो संविधान नहीं होता। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय संविधान शिवाजी महाराज के विचारों का प्रकटीकरण है। छत्रपति शिवाजी महाराज का दुनिया को संदेश था कि देश सभी का है।

इससे पहले राहुल गांधी का कोल्हापुर हवाईअड्डे पहुंचने पर पार्टी नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सबसे पहले वह सुबह राजर्षि शाहू समाधि स्थल पर गए। इसके बाद उन्होंने बवाड़ा के भगवा चौक पर बनी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण किया और संविधान सम्मान के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस बैठक में एक हजार से ज्यादा आमंत्रित लोग शामिल हुए, इसमें सभी धर्मावलंबियों के साथ-साथ विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भी भाग लिया।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार खत्म हो चुका है। आज हरियाणा की 90 सीटों पर मतदान होगा। हरियाणा के बाद अब राहुल गांधी ने मिशन महाराष्ट्र की तैयारी शुरू कर दी है। महाराष्ट्र में भी इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के महाराष्ट्र दौरे से कांग्रेस का चुनावी अभियान भी शुरू हो जाएगा।

जिले की 2 लाख 1 हजार 211 लाड़ली बहनों के खाते में आई लाड़ली बहना की राशि

सिंगरौली। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दमोह जिले के सिंग्रामपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक से लाड़ली बहना के 1.29 करोड़ बहनों के खाते में सिंगल क्लिक से 1574 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 55 लाख हितग्राहियों को 332.71 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की। साथ ही सिंगल क्लिक से लाड़ली बहना योजना की 24 लाख बहनों के बैंक खाते में एलपीजी गैस सिलेंडर अनुदान की 28 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की गई। प्रत्येक सिलेण्डर 450 में दिया जा रहा है।

सिंगरौली जिले की लाड़ली बहना योजना की 2 लाख 1 हजार 211 बहनों के खाते में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरित की। प्रत्येक हितग्राही के बैंक खाते में 1250 रुपए की राशि अंतरित हुई। यह छोटी सी राशि महिलाओं के लिए बहुत बड़ा सहारा साबित हुई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि आज हमारे प्रदेश की गौरव रानी दुर्गावती का 500वां जन्मदिवस है। साथ ही नवरात्रि का पावन पर्व है। इस अवसर पर बहनों के बैंक खाते में लाड़ली बहना योजना की राशि जारी की गई है। इस राशि में आगे वृद्धि की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी दुर्गावती के सम्मान में उनकी प्रथम राजधानी दमोह जिले के सिंग्रामपुर में आज मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान परिवारों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने का निर्णय पारित किया गया है। सरकार किसानों के कल्याण के लिए सदैव प्रयास करती रहेगी। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला, महिला बाल विकास अधिकारी राजेश राम गुप्ता, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र साकेत, आरपी सिंह, विंदु उईके, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी पीसी चन्द्रवंशी सहित हितग्राहियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

धान एवं मोटे अनाजों के उपार्जन के लिए पंजीयन 14 अक्टूबर तक

सिंगरौली। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए शासन द्वारा किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार तथा बाजरा का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन होना आवश्यक है। ऑनलाइन पंजीयन 14 अक्टूबर तक किया जायेगा। जिला आपूर्ति अधिकारी पी.सी चन्द्रवंशी ने बताया कि किसान ग्राम पंचायत कार्यालय के सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों में निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी किसान एप अपने एन्ड्रायड मोबाइल पर डाउनलोड करके किसान स्वयं पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में 50 रुपए का शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेज देकर 14 अक्टूबर तक उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं।

नगर निगम के वार्ड 42 में चला विशेष साफ सफाई अभियान

नगर निगम आयुक्त ने किया स्कॉलर टेक्नो मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण

सिंगरौली। नगर निगम आयुक्त के निर्देश अनुसार प्रतिदिन सुबह हर वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाया जाना है द्य इसी क्रम में आज वार्ड क्रमांक 42 के बिलौंजी आवासीय क्षेत्र में निगम आयुक्त की उपस्थिति में अभियान चलाकर साफ-सफाई कराई गई द्य जिसमें रोड से सीएनडी वेस्ट, पॉलिथीन और कचरे को हटाया गया, नालियों के पास घास की कटाई,साफ-सफाई करके मौके पे ही किटनाशक दवाई का छिड़काव कराया गया द्य इसके साथ ही रहवासियों को डेमो के माध्यम से समझाया गया कि गीले और सूखे कचरे को एक साथ देने से प्लांट में काम कर रहे सफाई मित्रों को असुविधा होती है द्य उनको स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याएं के साथ कचरे को अलग करने में समय ज्यादा लगता है द्य निगम की कचड़ा संग्रहण गाड़ी अगर नही आती है तो नगरवासी हेल्पलाइन नंबर 7610107107 पे बात करके इसकी शिकायत कर सकते हैनिगमायुक्त ने कचड़ा संग्रहण कर्मचारियों को सख्त निदेश दिए कि अगर कचरे को अलग-अलग करके रहवासी नहीं देते हैं तो उनका कचरा नहीं लिया जाएगा और उनपर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी द्य साफ-सफाई के अभियान के दौरान राजेश किराना स्टोर सहित अन्य दुकानों पे कचरा का सही प्रबंधन और सफाई न होने पे जुर्माने की कार्यवाही की गई द्य इसके बाद निगमायुक्त द्वारा कॉलोनी मे संचालित स्कॉलर टेक्नो मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण कर स्कूल की स्वच्छता व्यवस्था, बिल्डिंग परमिशन और फायर सेफ्टी से संबंधित जानकारी ली द्य निगम आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्र में जितने भी स्कूल संचालित हैं उनकी बिल्डिंग परमिशन फायर सेफ्टी और साफ सफाई के लिए एक टीम गठित कर जांच की जाए द्य अगर इन मानक तरीकों से स्कूलो का संचालन नहीं किया जा रहा हैं द्य तो जांच टीम सम्बन्धित स्कूलों को सील करने की कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करें। इस दौरान वार्ड पार्षद संतोष शाह, उपायुक्त आरपी बैस, स्वच्छता निरीक्षण संतोष तिवारी, अशोक त्रिपाठी, आईसी मैनेजर अशीष शुक्ला, सहित निगम का सफाई अमला मौजूद रहा।

पीएम किसान सम्मान निधि से जिले के कृषक हुए लाभान्वित

जिले के लगभग पच्चीस हजार किसानों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुना एवं खुशी जाहिर की

सिंगरौली। देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 18 वीं किश्त का वाशिम महाराष्ट्र से सिंगल क्लिक के माध्यम से हस्तांतरण किया गया । सिंगरौली जिले के कुल 133401 हितग्राही हुए लाभान्वित। कलेक्टरेट सभागार में सिंगरौली विधान सभा के विधायक राम निवास शाह, देवसर विधान के विधायक राजेंद्र मेश्राम , महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दिलीप शाह , नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे , कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के गरिमामय उपस्थित में कार्यक्रम आयोजित हुआ । लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से प्रधान मंत्री जी के उद्बोधन को देखा एवं सुना गया। सिंगरौली जिले के 316 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम का हुआ आयोजन। प्रत्ये क ग्राम पंचायतों में 80 से 100 की संख्या में कृषकों की रही उपस्थिति जिले के लगभग 25000 कृषकों ने माननीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन कार्यक्रम को देखा एवं सुना साथ ही प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए खुशियां जाहिर की। पीएम किसान सम्मान निधि योजना से वंचित किसानों का पोर्टल से नए पंजीयन भी कराया गया। इस अवसर पर पार्षद राम नरेश शाह , अपर कलेक्टर अरविंद झा, एसडीएम सृजन वर्मा, संयुक्त कलेक्टर संजीव कुमार पांडे, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, सहित बड़ी मात्रा में किसान भाई एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

रोजगार मेला सह कैरियर काउसिलिंग 9 अक्टूबर को

सिंगरौली। जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती सीमा बर्मा ने बताया कि जिले के बेरोजगार युवक,युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, सिंगरौली द्वारा 9 अक्टूबर को रोजगार मेला सह कैरियर कांउसिलिंग का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय कलेक्ट्रेट परिसर सिंगरौली में सुबह 10 बजें से शांय 4 बजे तक आयोजित किया जायेगा। रोजगार अधिकारी ने बताया कि इच्छुक आवेदक महिला एवं पुरूष उपस्थित होकर कम्पनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। मेले में भाग लेने वली कम्पनियां यशस्वी ग्रुप, पीएसटी सिक्योरटी, एलआईसी, आर्या वेंचर प्राईवेट लिमिटेड एवं अन्य कम्पनियाँ द्वारा आवेदको को उनकी योग्यता अनुसार रोजगार के अवसर उपलंब्ध करायेगी।

किराना दुकान के अंदर नशा और डीजल का कारोबार, पुलिस ने किया भंडाफोड़

सिंगरौली। जिले में अवैध कारोबारी के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी है। अब सरई पुलिस ने किराना दुकान की आड़ में अवैध शराब और डीजल कारोबार का पर्दाफाश किया है. यह फैक्ट्री क्लीनिक का बोर्ड लगाकर संचालित की जा रही थी.छापेमार कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने मौके से भारी मात्रा में अवैध शराब के विभिन्न प्रकार का विदेशी शराब के ब्रांड का बोतल और डीजल प्लांट जब्त किया है. वहीं दो आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

मिली जानकारी के अनुसार सरई थाना प्रभारी मनोज सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि दो-तीन गांव में किराना दुकान की आड़ में अवैध शराब और डीजल की बिक्री की जा रही है। थाना प्रभारी ने इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी।

जहां पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के निर्देशन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक मनोज सिंह व पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गजराबहरा और जमगडी में अबैध शराब व डीजल बिक्री करते दो आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने जमगडी में मुकेश कुमार वैश्य पिता लाल बहादुर वैश्य उम्र 24 वर्ष निवासी जमगडी को उसके किराना दुकान से दो जरीकेन में 80 लीटर डीजल कीमती 7360 रूपये अबैध रूप से बिक्री के लिए छिपा कर रखे पाया वहीं अबैध शराब 44 पाव देशी प्लेन 38 पाव लाल मशाला, 17 नग पावर केन, 6 बोतल बियर, 6 पाव गोवा कीमती 11030 रूपये पाये जाने पर जप्त की गई। साथ ही गजराबहरा गांव मे रमेश कुमार वैश्य पिता गंगाराम वैश्य उम्र 30 वर्ष निवासी गजराबहरा के किराना दुकान से अबैध रूप से शराब रखे 46 पाव देशी प्लेन शराब, 14 बोतल बियर, 4 पाव मैकड्रावल कीमती 7020 रूपये की पाये जाने पर जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए मामले को विवेचना में लिया।इस कार्रवाई में उनि. मनोज सिंह, सउनि उपेन्द्र सिंह भदौरिया, हरिभजन सिहं कैलाश सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, बबलू यादव, रिन्कू धाकड, आर सदन कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले में आज टेनिस बॉल क्रिकेट मैच का होगा आयोजन

चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न में 25-25 ओवरों का खेला जाएगा मैच

सिंगरौली। खेल एक मनोरंजन का साधन ही नहीं है,बल्कि खेल से अनुशासनात्मक जीवन जीने का ज्ञान होता है तथा खेल के माध्यम से मन मस्तिष्क के साथ-साथ शरीर भी निरोग रहता है।इतना ही नहीं बल्कि परिणाम यह भी निकलता है कि व्यक्ति सकारात्मक सोच के साथ एक-एक कदम को बढ़ाता है।वहीं जन्म से लेकर मृत्यु तक व्यतीत होने वाला समय उतार-चढ़ाव से भरा होता है जो हमें खेल से देखने और सीखने को मिलता है तथा धैर्य,साहस और अनुशासन के साथ कोई भी विधा हो चाहे खेल हो,जीवन हो नौकरी हो, कृषि हो सब में सफलता अवश्य मिलती है।मिली जानकारी के अनुसार आज 6 अक्टूबर दिन रविवार को प्रातः 6:30 बजे से 11 बजे तक ब्लैक पैंथर क्रिकेट टीम बनाम व्हाइट टाइगर क्रिकेट टीम के बीच टेनिस बॉल क्रिकेट मैच चुन कुमारी स्टेडियम बैढ़न में खेला जाएगा। खेल के दौरान यदि बरसात होने लगी तो उस स्थिति में क्रिकेट के जगह पर फुटबॉल खेला जाएगा।गौरतलब हो की उक्त दोनों टीमों में 15-15 सदस्यों का नाम नेशन किया गया है।वहीं मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की चयनित सूची मैच प्रारंभ होने से आधे घंटे पूर्व जारी की जाएगी।दोनों टीम में भी इस प्रकार है जिसमें ब्लैक पैंथर क्रिकेट टीम से सुधीर सिंह राठौड़ जिला न्यायाधीश (कप्तान),चन्द्रशेखर शुक्ला कलेक्टर, अखिल बंसल डी.एफ.ओ.,नीरज पवैया सिविल जज (उप-कप्तान), कृष्णा अग्रवाल सिविल जज, आशीष सक्सेना डिप्टी कमिश्नर, शिव कुमार वर्मा एडिसनल एसपी., सृजन वर्मा एस.डी.एम., पुन्नू सिंह परस्ते सी.एस.पी., शिवपूजन मिश्रा टी.आई., अक्षांश चतुर्वेदी लिपिक, सुमन साकेत पाठक लिपिक, बृजेश भीमटे लिपिक, नीरज कोरी लिपिक, कमलेश रावत ड्राईवर सहित व्हाइट टाईगर से अतुल सेन जि.वि.सहा.अधि. (कप्तान),राजू सिंह अधिवक्ता, राणा प्रताप सिंह अधिवक्ता, योगेश शाह एलएडीसी अधिवक्ता, (उप कप्तान), असीम अख्तर, मन्नान खान अधिवक्ता, शिव मिश्रा अधिवक्ता, राजेश कुमार साकेत लिपिक, मुकेश कुमार कुशवाहा लिपिक, राजेश कुमार साकेत मुंशी, जगजीवन राम आदेश तामीलकर्ता सिस्टम ऑफिसर, राजेश मिश्रा,केवल प्रसाद विश्वकर्मा डिप्टी चीफ, एल.ए.डी.सी.अधिवक्ता,स्वप्निल जैन लिपिक, संतोष पाठक चीफ, एलएडीसीएस खिलाड़ी के रूप में मैंच खेलेंगे।

विशेष जागरुकता अभियान स्वयंसिद्धा, प्रशिक्षण देने अलग-अलग स्थानो में पहुंच रही टीम

सिंगरौली। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय धोरहवा, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिरगुड़ी, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कतरिहार एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिधार में विशेष जागरुकता अभियान स्वयंसिद्धा आयोजित किया गया।

पुलिस मुख्यालय की मंशानुसार पुलिस अधीक्षक सिंगरौली श्रीमती निवेदिता गुप्ता के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय धोरहवा, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिरगुड़ी, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कतरिहार एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिधार में आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वयंसिद्धा आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ माँ सरस्वती जी का पूजन अर्चन एवं पुष्प अर्पण कर की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस स्टाफ सहित प्रधानाध्यापक दादू लाल सिंह, प्रधानाध्यापक के पी प्रजापति, प्रधानाध्यापक राम सिंह, प्रधानाध्यापक सोम शाह सिंह एवं सेल्फ डिफेंस टेक्निकल डायरेक्टर गणेश सिंह, खुशबू साकेत, अर्पिता विश्वास अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। विद्यालययों में उपस्थित लगभग 360 छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया गया एवं नई-नई टेक्निक्स सिखाई गई।आत्मरक्षा प्रशिक्षण अंतर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं के साथ नित्य प्रतिदिन हिंसा, छेड़छाड़, लूटपाट, दुष्कर्म आदि की अनेकानेक घटनाएं घटित होने की संभावना होने से आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर जूडो, कराटे, मार्शल आर्ट्स इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया।

अपहरण और दुराचार के मामले में साल भर से फरार आरोपी अंततः गोरबी पुलिस के हत्थे चढ़ा

सिंगरौली। महिला संबंधी अपराधों के फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिए सिंगरौली पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता द्वारा दिए गए विशेष निर्देश के अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा व अनुविभागीय अधिकारी सिंगरौली के के पाण्डेय के सतत मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मोरवा निरीक्षक कपूर त्रिपाठी की टीम को पिछले एक वर्ष पुराने अपहरण एवं दुराचार के आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।

गौरतलब है कि बीते वर्ष 2 अक्टूबर को ग्राम बरमानी के रहने वाले फरियादी के द्वारा अपनी नाबालिक बेटी को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसलाकर भाग ले जाने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसे गोरबी पुलिस ने कड़ी मसक्कत के बाद ढूंढ निकाला गया था एवं उसके बयानों के आधार पर ग्राम हरदी निवासी दिनेश बसोर पर मामला दर्ज कर तलाश की जा रही थी, जो की पुलिस से बचने के लिए लगातार अलग-अलग स्थान में पनाह ले रहा था। बीच में काफी समय वह पुलिस के बचने के लिए जिले से बाहर भी चला गया था। बीते 1 वर्ष तक पुलिस के द्वारा आरोपी के धरपकड़ के लिए हर संभव प्रयास किए गए किंतु वह पुलिस से बचने में वह सफल रहा। इस माह पुलिस को यह जानकारी मिली कि आरोपी अपने एक रिश्तेदार के संपर्क में आया है एवं पंजरेह बस्ती में रिश्तेदार के घर जाकर रुकेगा। सूचना पर गोरबी चौकी की पुलिस टीम द्वारा एक दिन पहले से ही पंजरेह बस्ती में आरोपी के रिश्तेदार के घर में निगाह रखी जा रही थी, जो दिनांक 3.10.24 को उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हो गई है। उक्त आरोपी की गिरफ्तारी में गोरबी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक भिपेंद्र पाठक, सउनि गुलराज सिंह, प्रधान आरक्षक नरेंद्र यादव, त्रिवेणी तिवारी, आरक्षक दशरथ मांझी एवं अमन रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

महज 7 वर्ष के भटके हुए विक्षिप्त बालक के परिजनों की पता तलाश कर किया गया सुपुर्द

सिंगरौली। थाना गढवा में डायल 100 पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चितावल में एक विक्षिप्त नाबालिक बालक उम्र करीबन 7 वर्ष का मिला है जो अपना नाम पता नहीं बता पा रहा है भटक गया है जहां बहुत भीड एकत्रित हो गई है।सूचना प्राप्त होने पर तत्काल थाना प्रभारी गढवा निरी. अनिल कुमार पटेल के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियो को सूचित किया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस शिव कुमार वर्मा व एसडीओपी चितरंगी आशीष जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गढ़वा अनिल कुमार पटेल के द्वारा एक पुलिस टीम डायल 100 से ग्राम चितवाल रवाना किया गया।

उद्यानिकी विभाग में बिना योग्यता के जिला संसाधन पर्सन पद में हुई भर्ती

सहायक संचालक सरकार की योजना पर लगा रहे पलीता, कंप्यूटर ऑपरेटर की पत्नी पर हुए मेहरबान

सिंगरौली

सरकारी विभागों में अपने लोगों को येनकेन प्रकारेण कार्य में लेने के लिए नियमों की परिभाषा रोज बदली जा रही है। सहायक ग्रेड 2,डाटा एंट्री ऑपरेटर या फिर दूसरी अन्य भर्तियो पर दिए गए अनुभव के अंकों को दर किनार कर या फिर गुपचुप तरीके से अधिकारी अपने लोगों को भर्ती कर रहे हैं। एक ऐसा ही मामला उद्यानकी विभाग से सामने आया है। जहां अधिकारी ने अपने ऑपरेटर की पत्नी को बिना योग्यता के ही जिला संसाधन पर्सन के रूप में नियुक्त किया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय रिसोर्स पर्सन की नियुक्ति की गई है। यह रिसोर्स पर्सन उन बेरोजगारों को यूनिट स्थापित करवाने की जिम्मेदारी थी। जिससे बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्राप्त हों सकें।? लेकिन उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक एच.एल. निमोरिया सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना पर पलीता लगा रहे हैं। उन्होंने अपने कंप्यूटर ऑपरेटर की पत्नी को बिना योग्यता के ही रिसोर्स पर्सन बना दिया। सहायक संचालक पर आरोप है कि उन्होंने अपने करीबी कंप्यूटर ऑपरेटर शिव कुमार की पत्नी अंजनी वर्मा को फर्जी तरीके से जिला संसाधन पर्सन (छ्रक्क) के रूप में नियुक्त किया। सूत्रों की माने तो सहायक संचालक रिसोर्स पर्सन नियुक्ति में पैसों की डिमांड करते हैं लिहाजा जिले के सभी ब्लॉक में रिसोर्स पर्सन की नियुक्ति नहीं हो सकी। जो नियुक्तियां हुई भी वह अनावश्यक डिमांड के चलते छोड़ कर चले गए। लिहाजत सरकार की योजना उन किसानों तक नहीं पहुंच पा रही जिनको जरूरत है।

रिसोर्स पर्सन नियुक्ति में हुई गड़बड़ी

बता दें कि कंप्यूटर ऑपरेटर शिवकुमार वर्मा की पत्नी अंजनी वर्मा की नियुक्ति में न केवल प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ, बल्कि उनका इस योजना से संबंधित कोई अनुभव या योग्यता भी नहीं है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अंजनी वर्मा का कोई साक्षात्कार भी नहीं हुआ और न ही उन्हें कभी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम, बैंक मीटिंग, या सरकारी आयोजन में देखा गया है। सूत्र बताते हैं कि सहायक संचालक एच एल निर्मोनिया योजना के आड़ में बेरोजगारों और किसानों से आवेदन करने के नाम पर 5,000 रुपये तक की अवैध वसूली करते है। इसके अलावा, सब्सिडी दिलाने के नाम पर 20 से 25 हजार रुपये तक की मांग भी करते है।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत पात्र महिलाओं के खाते में राशि अंतरित की

सीधी जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में 26 करोड़ 24 लाख से अधिक की राशि डाली गई

सीधी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के दमोह के सिंग्रामपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को रूपये 1574 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 332.71 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अन्तर्गत सीधी जिले की 02 लाख 13 हजार 974 पात्र महिलाओं के खाते में प्रति महिला एक हजार 250 रूपये के मान से 26 करोड़ 24 लाख 38 हजार 900 रूपये की राशि अंतरित की गई। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज, महिला बाल विकास अधिकारी आर.सी. त्रिपाठी तथा लाड़ली बहनों द्वारा सहभागिता की गई।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत जिले में 02 लाख 13 हजार 974 पात्र हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अन्तर्गत जनपद पंचायत कुसमी में 17 हजार 811 महिलाओं, जनपद पंचायत मझौली में 29 हजार 893, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में 45 हजार 35, जनपद पंचायत सीधी में 55 हजार 613 तथा जनपद पंचायत सिहावल में 52 हजार 558 महिलाओं के खाते में 1250 रूपये के मान से राशि अंतरित की गई। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के साथ ही नगरीय क्षेत्र की महिलाओं को भी लाभांवित किया गया। इसमें नगर पालिक सीधी में 6 हजार 269, नगर परिषद चुरहट में 2 हजार 480, नगर परिषद मझौली में 2 हजार 127 तथा नगर परिषद रामपुर नैकिन में 2 हजार 188 महिलाओं के खाते में 1250 रूपये प्रत्येक महिला के मान से राशि अंतरित की गई।

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सीधी जिले के 1 लाख 4 हजार 666 पात्र हितग्राहियों के खाते में 6 करोड़ 27 लाख 99 हजार 600 रूपये की राशि अंतरित की गई। जनपद पंचायत कुसमी के 7124, मझौली के 13097, रामपुर नैकिन के 21964, सीधी के 27984 एवं सिहावल के 27984 पात्र हितग्राहियों को 600 प्रति हितग्राही के मान से राशि अंतरित की गई। इसी प्रकार नगरीय निकाय अंतर्गत सीधी के 2459, मझौली के 1145, चुरहट के 1248 एवं रामपुर नैकिन के 1072 पात्र हितग्राहियों के खाते मे राशि अंतरित की गई। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना के 54217, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 12159, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्तजन योजना के 2294, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 724, मंदबुद्धिध्वहुविकलांग को आर्थिक सहायता योजना के 1666, सामाजिक सुरक्षा पेंशन वृद्धा योजना के 9194, सामाजिक सुरक्षा पेंशन परित्यक्ता पेंशन योजना के 282, सामाजिक सुरक्षा पेंशन नि:शक्त पेंशन योजना के 7247, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता राशि के 2272, सामाजिक सुरक्षा पेंशन कल्याणी पेंशन योजना के 14603 एवं मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना के 8 हितग्राहियों के खाते में 600 रूपये के मान से राशि अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने की घर के खर्च में मदद

सीधी। प्रदेश की महिलाओं की जिंदगी को संवारने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा चलाई गई मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को लेकर सीधी जिले के हर गांव-हर घर में खुशी का माहौल है। जिले के नगर पालिक परिषद् सीधी के वार्ड 21 निवासी श्रीमती ज्योति सोनी ने कहा कि मेरे खाते में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के 1250 रूपए की राशि प्रत्येक महीने प्राप्त हो रही है। इस राशि का उपयोग मैं अपने घर का खर्च चलाने में करती हूं और साथ ही उसे थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर सामान रखने के लिए अलमारी खरीदी हूं । लाडली बहना योजना से मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि इससे महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त होंगी। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित करती हूं।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की टीम संभाग स्तरीय पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता में बनी उपविजेता

रीवा की टीम तीनों मैच जीतकर विजेता बनी

सीधी। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में संभाग स्तरीय पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 4 अक्टूबर 2024 को किया गया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ पी के सिंह ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की सीख देते हुए खेल को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की बात कही। साथ ही खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होने की बात भी स्पष्ट की।

प्रतियोगिता में रीवा, सतना, सीधी एवं शहडोल के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चारों टीमों के मैच एक दूसरे के बीच खेले गए जिसमें सीधी टीम ने प्रथम मैच में सतना को पराजित किया, द्वितीय मैच में शहडोल को पराजित किया और तृतीय मैच में रीवा से पराजित होकर उपविजेता बनी और रीवा की टीम तीनों मैच जीतकर विजेता बनी। संजय गांधी महाविद्यालय से प्रशांत तिवारी एवं अथर्व चतुर्वेदी का चयन राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए हुआ है जिसका आयोजन भोपाल में होगा।

इस प्रतियोगिता में विविध जिलों से आई टीमों के साथ उनके कोच मैनेजर तथा संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय से डॉ प्रभाकर सिंह, डॉ गुलशेर अहमद, डॉ सिद्धार्थ वर्मा, डॉ अजय कुमार यादव क्रीडा अधिकारी कन्या महाविद्यालय सीधी एवं रेफरी श्री कैलाश वर्मा और शक्ति सिंह बघेल उपस्थित रहे। संपूर्ण प्रतियोगिता संजय गांधी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ रविंद्र नाथ सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ उन्होंने ही इस प्रतियोगिता का सफल संचालन किया।

गोपालदास मन्दिर वृद्ध आश्रम में वृद्ध जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

सीधी। गोपालदास मन्दिर वृद्ध आश्रम सीधी में सिविल सर्जन डॉ दीपा रानी इसरानी के निर्देशन में शुक्रवार 04 अक्टूबर को 28 वृद्ध जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और वृद्ध जनों को व्यायाम के बारे में बताया गया।

प्रधानमंत्री ने सिंगल क्लिक से पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त का किया हस्तांतरण

सीधी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किस्त का 9.4 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि का ऑनलाइन हस्तांतरण किया गया। इस कार्यक्रम में सीधी जिले के एक लाख 35 हजार 644 किसान परिवार लाभान्वित हुए। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से तहसीलदार निवेदिता त्रिपाठी, नायब तहसीलदार तीरथ अक्षरिया सहित हितग्राहियों द्वारा सहभागिता की गई।

आज के कार्यक्रम में जिले के एक लाख 35 हजार 644 कृषकों के खाते में 2 हजार रुपये के मान से कुल 27 करोड़ 12 लाख 88 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई है। तहसील कुसमी के 11 हजार 623, गोपद बनास के 24 हजार 417, चुरहट के 13 हजार 165, बहरी के 15 हजार 346, मझौली के 25 हजार 172, रामपुर नैकिन के 27 हजार 2 तथा सिहावल के 18 हजार 919 कृषकों के खाते में राशि अंतरित की गई है।

लाडली बहना योजना आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सशक्त बनाने में कारगर

सीधी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उनकी जिन्दगी बदलने में वरदान साबित हो रही है। सीधी जिले नगर पालिक परिषद् सीधी अन्तर्गत वार्ड 21 की निवासी श्रीमती किरण सिंह को भी लाडली बहना योजना अंतर्गत 1250 रूपये की राशि प्रतिमाह प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि लाडली बहना योजना से महिलाओं को अपने छोटी-मोटी जरूरत को पूरी करने के लिए किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं है, वह अपनी आवश्यकता अनुसार सामग्री खरीद सकती हैं।

सीईओ जिला पंचायत ने सिहावल में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

ग्राम पंचायतों में प्रगतिरत कार्यों का किया निरीक्षण

सीधी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा जनपद पंचायत सिहावल में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने समस्त योजनाओं के योजना प्रभारी, सभी खंडस्तरीय अधिकारियों, पीसीओ व उपयंत्रियो के साथ जनपद पंचायत के सभागार में बैठक आयोजित की जिसमें मुख्य रूप से मनरेगा योजना, आवास योजना, पंचायतराज एवं 15 वें वित्त सहित पोषण शक्ति अभियान की समीक्षा की। समीक्षा में सभी योजना प्रभारी को प्रगति के संबंध में कड़े निर्देश दिए गए। जिन उपयंत्री एवं पीसीओ के क्षेत्र में खराब प्रगति पाए गई उन्हें 15 दिवस की समयावधि में लक्ष्य की पूर्ति करते हुए सीईओ जनपद पंचायत को प्रतिदिन की जानकारी से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक उपरांत सीईओ जिला पंचायत द्वारा ग्राम पंचायत लिलवार की गौशाला एवं पौधरोपण कार्य, सेमरी तालाब के पास पौधरोपण, सोन घड़ियाल क्षेत्र, ग्राम पंचायत सिहौलिया में गौ-अभ्यारण्य का निरीक्षण किया गया तथा सुधार हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं सहायक यंत्री को आवश्यक निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहावल शैलेश पाण्डेय, परियोजना अधिकारी मनरेगा अशोक शुक्ला, सहायक परियोजना अधिकारी कुँवर बहादुर सिंह, सहायक यंत्री अतुल मिश्रा, डेटा मैनेजर ओमकार विक्रम सिंह सहित बीआरसीसी मुन्नालाल साकेत, प्रभारी एपीओ अरुण पाठक, पीएसईओ कामता तिवारी, बीसी एसबीएम रविन्द्र दुबे, बीसी आवास मनमुरत मिश्रा व उपयंत्री एवं पीसीओ साहित ग्राम पंचायत के सरपंच, साचिव व ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

कचरो से पटा तालाब, जन प्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान

सीधी। जनपद सिहावल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अमिलिया का फिटकी तालाब बना कचरा घर बन गया है। एक तरफ मध्य प्रदेश की भाजपा की सरकार तालाबों के सुंदरीकरण और साफ-सफाई अवैध अतिक्रमण मुक्त लगातार पैसा खर्च कर रही है। वहीं अमिलिया ग्राम पंचायत के संजय मोरी, सहायक सचिव गोपाल सिंह द्वारा जिस तरह पंचायत में जगह-जगह कचरा घर बनाया गया वह सही स्थान पर नहीं कराया गया, जिस कारण आज तालाब के आसपास कचरे का अंबार लग रहा है। शासन द्वारा लाखों रुपए लगाकर तालाब को सौंदर्यीकरण के रूप में पंचायत को पैसा दिया जाता है मगर यहां तालाब खुद ही अपना रोना रो रहा है।

चुरहट में अभिमन्यु के तहत हुआ कार्यक्रम का आयोजन

चुरहट। थाना चुरहट पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा चलाया जा रहे मैं हूं अभिमन्यु कार्यक्रम आयोजन आज 5 अक्टूबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट जिला सीधी मे कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बालिकाओं बालको एवं महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अत्याचार यौन शोषण एवं हिंसा के संबंध में बताया गया तथा यह भी बताया गया रूढ़िवादिता, दहेज, नशा, अश्लीलता और संवेदनशीलता भ्रूण हत्या और अशिक्षा लिंग भेद के बारे में बताया गया तथा प्रश्नावली तैयार की गई जिसमें बिंदुओ पर बताया गया समाज को सशक्त बनाना है तो बालिकाओं का हक की आवाज उठाना है। बालक एवं बालिकाओ के तप त्याग से समाज का कल्याण होगा इसी तरह भारत का निर्माण होगा, मौन नहीं रहना चाहिए बालिकाओं के अधिकारों पर गर्व करना चाहिए, नन्हे नन्हे हाथों को काम नहीं किताब दो, ये उम्र मजदूरी की नहीं पढने लिखने की है, सोच समझकर कदम उठाए बालिकाओं को भगाकर ना ले जाएं नहीं तो जेल होगा, महिलाओं एवं बालिकाओं को की रक्षा करें, बालिकाओं को जीने का अधिकार दो, महिलाओं एवं बच्चों को समानता का अधिकार दें, बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार दें, बालक बालिकाओं को नशा से दूर रखें, महिलाओं के प्रति दहेज प्रताडना ना हो यह एक अभिशाप है, रुढ़वादिता से बचे, बालक बालिकाओं महिलाओं के प्रति अश्लीलता ना करें, भ्रूण हत्या न करें, लिंग भेद न करें, बालक-बालिकाओं महिलाओं पर लैंगिक हमला समाज के लिए कलंक है और अभिशाप है।

पेंड़ गिरने से आवागवन हो रहा बाधित

रामपुर नैकिन। जिले के रामपुर नैकिन अंतर्गत शिकारगंज ग्राम पंचायत में पेंड़ गिरने से आवागवन बाधित हो रहा है। जिसकी जानकारी गांव के कई लोगों द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव एवं 181 के माध्यम से जनपद के अधिकारी को भी दी गई लेकिन आज तक ग्राम पंचायत के सरपंच का ध्यान आकर्षित नही हुआ और ना ही जनपद के किसी अधिकारी का जब कुछ ग्रामीणों द्वारा जानकारी मिली, तो लोगों का कहना है कि लगभग दो-तीन महीने हो गए हम लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत आ रही है। मगर धन्य है हमारे ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव जब रामचरण से बात हुई तो उनके द्वारा बताया गया की वार्ड नम्बर 2 एवं 3 के रास्ते पूर्णत: बन्द है और मेरे घर के पास पीपल का 1 पेड़ गिर गया है।

किसान सम्मान निधि योजना ने कृषि को बनाया लाभ का धन्धा

सीधी। सीधी जिला अंतर्गत तहसील गोपद बनास के ग्राम नौढिया के रहने वाले कृषक सुनील मिश्रा को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रति चार माह के अन्तराल में दो हजार रूपये राशि किश्तों में प्राप्त हो रही है। इस योजना से वे बहुत खुश हैं। उन्होने बताया कि उनके पास 2.5 एकड़ की जमीन है जिसमें खेती करने के लिए कई बार खाद, बीज और जुताई के लिए पैसा समय से नहीं रहता था जिससे समस्या होती थी। रिश्तेदारों से उधार लेना पड़ जाता था या फिर ब्याज पर भी पैसे लेने पड़ते थे। कभी-कभी समय से पैसा ना मिलने पर समय से खेती नहीं हो पाती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा हम किसानों के लिए किसान सम्मान निधि योजना के तहत समय-समय से

खाद, बीज, दवा, जुताई, के लिए साल भर में कुल 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद की व्यवस्था कर दी गयी है, जिससे अब हम चिंता मुक्त रहकर खेती कर पा रहे हैं और किसी से कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ती है। उन्होंने बताया कि अब पैसे की कमी के कारण हमारी खेती पिछड़ती नहीं है। समय से खाद, बीज मिलने के कारण हमारे खेत में भी उपज इतना हो जाता है कि घर के खर्चे के अलावा हम 50 हजार तक का गेहूं और 20 हजार रुपए तक की धान बेचकर अपने घर का खर्चा आसानी से चला पा रहे हैं।

किसान सुनील मिश्रा प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देते हुये कहते है कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही कृषक हितैषी सरकार है। इन योजनाओं के कारण किसान चिंता मुक्त हुए हैं और गर्व से खेती किसानी कर रहे हैं।

भनवारी में बूढ़ी माता मंदिर में रखी गई दुर्गा की आकर्षक झांकी

बहरी। जिले के बहरी तहसील अंतर्गत भनवारी ग्राम पंचायत में प्रशिद्ध बूढ़ी माता मंदिर में दुर्गा माता की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा गांव के ही शिवशंकर द्विवेदी छोटे द्वारा रखाई गई है।

पीएम किसान सम्मान-निधि मिलने से खुश हैं किसान भाई

सीधी। सीधी जिले के तहसील गोपद बनास अन्तर्गत झगरहा गाँव के किसान संजय पाण्डेय को पी.एम. किसान सम्मान-निधि की 2000 रुपये की 18वी किश्त मिली है। संजय ने बताया कि खेती-किसानी से सीमित आमदनी होने के कारण पहले बहुत समस्या होती थी। जबसे पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिलने लगा है तब से बहुत ही सहूलियत हो गई है। उन्होंने बताया कि चार एकड़ की जमीन सिंचित उपलब्ध है जिसमें हम खेती करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। सिंचाई के लिए बोर उपलब्ध है और खाद बीज के साथ अन्य आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए पीएम किसान सम्मान निधि काफी मददगार है।

संजय पाण्डेय ने किसान सम्मान-निधि के लिये प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देते हुए कहा है कि इस योजना से देश और प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसानों को बड़ी मदद मिली है।

उन्होंने कहा कि पी.एम. किसान सम्मान-निधि योजना में प्रत्येक वर्ष जरूरतमंद और पात्र किसानों को 2-2 हजार रुपये की तीन किश्त देने का प्रावधान है। जिससे हम जैसे किसानों को काफी मदद हो जाती है। उन्होंने बताया कि अब उन्हें खेती से लाभ भी होने लगा है। इसमें से लगभग 02 लाख रुपये का धान तथा 50 हजार रुपये का गेहूं हर साल बेचते हैं।

अब जिला अस्पताल में नेत्र रोगों की आधुनिक उपकरणों से जांच एवं ऑपरेशन की सुविधा

सीधी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुनीता तिवारी ने बताया कि कि सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन में लीनस क्लब कामाख्या द्वारा आयोजित शिविर में चयनित 70 मोतियाबिंद मरीजों में से शुक्रवार को 16 मोतियाबिंद मरीजों का निरूशुल्क ऑपरेशन किया गया। डॉ लक्ष्मण पटेल एवं उनकी टीम के द्वारा अब तक 31 मरीजों का निरूशुल्क ऑपरेशन कर लैंस प्रत्यारोपित किया गया। इस शिविर में सिविल सर्जन डॉ दीपा इसरानी, लीनश क्लब कामाख्या की अध्यक्ष डॉ बीना मिश्रा एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

जिला चिकित्सालय सीधी में वर्तमान में कांच बिंद के जांच के लिए अत्याधुनिक मशीन एनसीटी, लेजर मशीन, एवं प्रीमेच्योर बच्चे जिनको एस एन सी यू में रखा जाता है उनके पर्दे रेटीना की जांच के लिए फंडस कैमरा भी जिला चिकित्सालय में उपलब्ध होने से सभी प्रकार के नेत्र रोगों की जांच की सुविधा उपलब्ध है। सीएमएचओ डॉ सुनीता तिवारी ने जिला वासियों से अनुरोध किया है कि जिन बड़े-बूढ़े, बच्चों को नेत्र संबंधी समस्या हो और मोतियाबिंद की शिकायत हो नि:शुल्क जांच एवं ऑपरेशन का लाभ प्राप्त करें।

संपादकीय

महायुद्ध का खतरा

ईरान द्वारा इजरायल को सीधे निशाना बनाने से महायुद्ध जैसे हालात बनना पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक और दुखद है। तनाव चरम पर है, क्योंकि इजरायल किसी भी वक्त ईरान पर जवाबी वार कर सकता है। दरअसल, लगभग एक साल से ईरान प्रत्यक्ष रूप से संयम दिखा रहा था। हिज्बुल्लाह जैसे आतंकी संगठनों को हर तरह की मदद देकर खुद को सीधे युद्ध में उतरने से बचा रहा था, पर मंगलवार को एक साथ 180 मिसाइलें दागकर इजरायल को उसने साफ संकेत दे दिया है कि वह अब चुप नहीं बैठेगा। खासकर, नसरल्लाह की मौत के बाद ईरान पर जंग में कूदने का भारी दबाव था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी साफ कह दिया है कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजरायल के साथ समस्या यह है कि वह बदले की मानसिकता में फंसा हुआ है और किसी भी नसीहत पर कान नहीं दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव को भी वह रत्ती भर भाव देने को तैयार नहीं है। अमेरिका से मिल रहा समर्थन उसके लिए पर्याप्त है। ऐसे में, एक महायुद्ध दहलीज पर दस्तक देने लगा है। आज एक बड़ा सवाल है कि क्या इजरायल, ईरान जैसे देश महायुद्ध चाहते हैं? दरअसल, हर देश दुनिया में आम जनमानस को लेकर सजग है। संसार के ज्यादातर लोग महायुद्ध नहीं चाहते, इसलिए बड़ी आक्रामकता दिखाने के बावजूद देश अपना बचाव भी कर रहे हैं। ईरान की ही अगर बात सुनें, तो उसने यही कहा है कि उसका हमला पूरी तरह रक्षात्मक था और वह लेबनान में इजरायल द्वारा की गई हत्याओं व हमलों का जवाब देना चाहता था। ईरान यह मानता है कि उसने 180 मिसाइलें दागकर हिसाब बराबर किया है और उसकी ओर से हमला समाप्त है, जब तक कि इजरायल उसे फिर उकसाता नहीं है। जाहिर है, इजरायल ने फिर वार किया, तो यकीन मानिए, दुनिया महायुद्ध की ओर बढ़ चलेगी। यहां परमाणु जनित खतरे की आशंका की चर्चा न हो, तो बेहतर है। आज दुनिया ऐसी स्थिति में नहीं है कि महायुद्ध झेल सके।

एक बड़ा बदलाव तो यही है कि इजरायली प्रधानमंत्री अब आक्रामक नीति अपना रहे हैं। इसकी वजह यही है कि उन पर पिछले कई महीनों से घरेलू राजनीति का दबाव तो है ही, गाजापट्टी पर हमले के बाद, जिसमें 40 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, उन पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी काफी अधिक बढ़ गया है। उन्होंने घोषणा की है कि ईरान के दोनों छद्म गुट- हमास और हिजबुल्लाह का सफाया होकर ही रहेगा। हिजबुल्लाह के खिलाफ तो कई हफ्तों से इजरायल का आक्रमण जारी है। पहले पेजर-वॉकीटॉकी विस्फोट से इजरायली खुफिया एजेंसियों ने हिजबुल्लाह के संचार तंत्र को ध्वस्त किया और फिर नसरल्लाह के साथ-साथ कई हिजबुल्लाह नेताओं को मौत के घाट उतार दिया। लगता यही है कि नेतन्याहू की महत्वाकांक्षा अब हमास या हिजबुल्लाह तक ही सीमित नहीं रह गई है।

पश्चिम एशिया में बदले की बेरहम बयार

(विवेक काटजू, पूर्व राजनयिक)

मंगलवार की देर शाम ईरान का इजरायल पर मिसाइल हमला करना कई आशंकाओं को आधार दे रहा है। इजरायल ने बेशक ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को अपने मित्र देशों की मदद से हवा में ही नष्ट कर दिया, जिसके कारण उसे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन उसमें दहशत तो फैली ही। यही कारण है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तत्काल इस हमले का बदला लेने का एलान कर दिया। ईरान का कहना है कि उसने यह कदम हमास नेता इस्माइल हानिये और हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए उठाया है और अब अगर इजरायल की तरफ से कोई सैन्य कार्रवाई होती है, तो जंग भड़केगी।

यहां दो घटनाओं का जिक्र आवश्यक है। पहली, अप्रैल, 2024 में ईरान ने ड्रोन व मिसाइलों द्वारा इजरायल पर हमला बोला था और उस वक्त भी उसे नुकसान ज्यादा नहीं हुआ, क्योंकि इजरायल ने उनको मार गिराया था। ईरान का कहना था, यह हमला उसने सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले के बदले में किया था, जिसमें 15 से अधिक ईरानी कर्मचारियों की मौत हुई थी। दूसरी घटना, जनवरी 2020 की है, जब अमेरिका ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या कर दी थी। जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने मिसाइलों के जरिये इराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला बोला था, जिसके बाद मामला शांत हो गया था। तब बेशक तनाव के बादल छंट गए थे, लेकिन इस वक्त क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय तस्वीर बदली हुई है।

एक बड़ा बदलाव तो यही है कि इजरायली प्रधानमंत्री अब आक्रामक नीति अपना रहे हैं। इसकी वजह यही है कि उन पर पिछले कई महीनों से घरेलू राजनीति का दबाव तो है ही, गाजापट्टी पर हमले के बाद, जिसमें 40 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, उन पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी काफी अधिक बढ़ गया है। उन्होंने घोषणा की है कि ईरान के दोनों छद्म गुट- हमास और हिजबुल्लाह का सफाया होकर ही रहेगा। हिजबुल्लाह के खिलाफ तो कई हफ्तों से इजरायल का आक्रमण जारी है। पहले पेजर-वॉकीटॉकी विस्फोट से इजरायली खुफिया एजेंसियों ने हिजबुल्लाह के संचार तंत्र को ध्वस्त किया और

फिर नसरल्लाह के साथ-साथ कई हिजबुल्लाह नेताओं को मौत के घाट उतार दिया। लगता यही है कि नेतन्याहू की महत्वाकांक्षा अब हमास या हिजबुल्लाह तक ही सीमित नहीं रह गई है। 1 अक्तूबर के अपने टीवी संदेश में उन्होंने ईरान की जनता को उनके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ उकसाया और अपील की कि वे अयातुल्ला सरकार को पलटकर एक नई सरकार बनाएं और आधुनिक ईरान की बुनियाद रखें। उल्लेखनीय है कि ईरान में एक तबका है, जो अयातुल्ला सरकार से संतुष्ट नहीं है और ईरान का आधुनिकीकरण चाहता है। हालांकि, ऐसा कोई सुबूत भी नहीं है कि ईरान किसी क्रांति के लिए तैयार है।

बहरहाल, सवाल यही है कि अब आगे क्या होगा? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस पर चिंतन करेगी ही और यह अनुमान स्वाभाविक है कि वह इजरायल और ईरान, दोनों से शांति की अपील करेगी। सच यह भी है कि दुनिया की महाशक्तियां महायुद्ध नहीं चाहतीं। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में उलझा हुआ है और रूस फिलहाल यूक्रेन मोर्चा पर ही सिमटे रहना चाहता है। रही बात चीन की, तो वह अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में लगा है। अरब देशों, विशेषकर खाड़ी के मुल्कों की तरफ से भी कोई आक्रामक बयान नहीं आया है और लगता यही है कि वे भी जंग के पक्ष में नहीं हैं। भारत भी शांति ही चाहता है और चंद दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतन्याहू से बात करके यही संदेश दिया था कि बातचीत की मेज पर समस्याओं का हल निकालना चाहिए। यानी, अब फैसला नेतन्याहू को लेना है। हमें यह भी देखना होगा कि उन पर घरेलू राजनीति का दबाव कितना बढ़ता है।

वैसे, ईरान के पास भी कई रास्ते हैं स्थिति को भड़काने के। वह इजरायल पर ही निशाना नहीं लगाए। हो सकता है कि पश्चिम के देशों को दबाव में लाने के लिए खाड़ी के पश्चिमी हिस्से में भी वह कार्रवाई करे, जिसकी वजह से तेल के बाजार पर असर पड़ेगा। यदि ऐसा हुआ, तो उसका सीधा असर विश्व की आर्थिक व्यवस्था पर पड़ेगा, जो कोई नहीं चाहेगा।

यहां यह भी याद रखना चाहिए कि 7 अक्तूबर को इजरायल पर हमास के हमले की बरसी है। पिछले साल इसी दिन हमास के लड़ाकों ने इजरायल में दाखिल होकर 1,200 इजरायलियों को मौत के घाट उतार दिया था और कई विदेशी नागरिकों सहित 250 लोगों को बंधक बना लिया था। अनुमान है कि 100 के करीब बंधक अब भी हमास के कब्जे में हैं और अमेरिका, कतर व मिस्र पूरी कोशिश में हैं कि हमास और इजरायल के बीच कोई समझौता हो जाए, लेकिन ऐसा अब तक नहीं हो सका है। जाहिर है, 7 अक्तूबर की तारीख जैसे-जैसे निकट आती जाएगी, इजरायल के घाव वैसे-वैसे हरे होते जाएंगे। यह भी स्वाभाविक है कि गाजापट्टी के लोगों में, जिनमें से 40 हजार की मौत बीते एक साल में इजरायली जवाबी प्रतिक्रिया में हुई है, आक्रोश बढ़ेगा। दुनिया के उस बड़े तबके में भी बहस तेज होगी, जो यह मानते हैं कि इजरायल की जवाबी कार्रवाई बिल्कुल असंगत थी।

जब भावनाएं भड़कती हैं, तो शांति के रास्ते धुंधले पड़ जाते हैं। विश्व की बड़ी शक्तियों की शांति की कोशिशों में बाधाएं तो आएंगी, लेकिन यह कयास गलत नहीं है कि अपनी विवशताओं के कारण वे हरसंभव कोशिश करेंगी कि इजरायल और ईरान, दोनों के हाथ रोके जाएं। इससे पश्चिम एशिया की स्थिति में दूरगामी बदलाव तो नहीं होगा, लेकिन जो मौजूदा संकट है, वह शायद टल सकता है। वैसे, यहां यह 'शायद' शब्द ही अभी सबसे अधिक मौजूं है, क्योंकि अभी परिस्थिति ऐसी है कि कोई भी ठीक-ठीक नहीं कह सकता कि हालात किधर का रुख लेंगे?

वक्फ प्रबंधन का काम राज्यों के जिम्मे छोड़ दिया जाए

भारत में तीर्थ प्रबंधन का कानूनी नियमन ब्रिटिश हुकूमत के दौरान धर्मार्थ और धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम 1920 के साथ शुरू हुआ था, जो सभी समुदायों पर लागू हुआ। तीन साल बाद इस क्षेत्र में पहला समुदाय विशेष कानून आया- मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923। भारत सरकार अधिनियम 1935 ने धार्मिक व धर्मार्थ बंदोबस्ती को केंद्रीय व प्रांतीय विधायिकाओं के समवर्ती क्षेत्राधिकार में रखा। इसके बाद बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में स्थानीय वक्फ अधिनियम बनाए गए।

(ताहिर महमूद, पूर्व अध्यक्ष,रा. अल्पसंख्यक आयोग)

केंद्र सरकार और मुस्लिम समुदाय के बीच कलह की ताजा वजह इस साल अगस्त में संसद में पेश दो वक्फ (संशोधन) विधेयक हैं। उनके घोषित और कथित मकसद की सत्यता का आकलन देश में वक्फ प्रबंधन के इतिहास को ध्यान में रखते हुए ही किया जाना है। वक्फ, एक अरबी इजहार है, जो मजहबी और धर्मार्थ मकसदों से दान की गई संपत्ति को दर्शाता है। यह उपहार, दान या वसीयत से हासिल होता है। इस मायने में मस्जिद, दरगाह और कब्रिस्तान भी वक्फ हैं।

भारत में तीर्थ प्रबंधन का कानूनी नियमन ब्रिटिश हुकूमत के दौरान धर्मार्थ और धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम 1920 के साथ शुरू हुआ था, जो सभी समुदायों पर लागू हुआ। तीन साल बाद इस क्षेत्र में पहला समुदाय विशेष कानून आया- मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923। भारत सरकार अधिनियम 1935 ने धार्मिक व धर्मार्थ बंदोबस्ती को केंद्रीय व प्रांतीय विधायिकाओं के समवर्ती क्षेत्राधिकार में रखा। इसके बाद बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में स्थानीय वक्फ अधिनियम बनाए गए। स्वतंत्रता के बाद, भारत के संविधान ने धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती को एक साथ केंद्र व राज्य विधानमंडलों के हाथों में सौंप दिया। हालांकि, संसद ने हिंदू मंदिरों के प्रबंधन को विनियमित करने के लिए कभी भी कोई केंद्रीय कानून नहीं बनाया और इसे पूरी तरह से राज्यों पर छोड़ दिया। इस विषय पर स्थानीय कानूनों का अधिनियमन बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम और मद्रास हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम के साथ शुरू हुआ, जो 1950-51 के दौरान लागू किया गया। अब अधिकांश राज्यों में ऐसे ही कानून हैं। प्रमुख मंदिरों के प्रबंधन के लिए कुछ राज्यों में विशेष कानून भी लागू हैं। ओडिशा में जगन्नाथ मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ, तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर और जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णोदेवी जैसे प्रमुख मंदिरों के विशेष कानून लागू हैं।

मुस्लिम समुदाय के लिए संसद ने 1954 में एक सामान्य वक्फ अधिनियम बनाया था और 1955 में देश के सबसे बड़े मुस्लिम धर्मस्थल- अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के प्रबंधन के लिए खास कानून बनाया। साल 1984 में वक्फ कानून में संशोधन हुआ और 1995 में भी संसद ने नया व्यापक वक्फ कानून बनाया। फिर 2013 में वक्फ अधिनियम 1995 में बड़े पैमाने पर संशोधन किए गए। कानून में भारी बदलाव के अलावा वक्फ शब्द की वर्तनी को बदल दिया गया, जो गैर-जरूरी था और इससे भयानक भ्रम पैदा हुआ। वक्फ संबंधी कानून में साल 2014 और 2019 में भी बदलाव हुए। कुल मिलाकर, वक्फ प्रबंधन से जुड़े भारतीय कानून दयनीय हालत में हैं। इसके चलते भी न्यायालयों में विवादों का अंबार है।

बहरहाल, आज यह दावा करना कि किसी समुदाय के धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में कोई भ्रष्टाचार नहीं है, हकीकत से आंखें मूंदने जैसा है। वक्फ के अधिकार व संसाधनों का दुरुपयोग हुआ है। ऐसे में, राज्य मूकदर्शक बनकर नहीं बैठा रह सकता। किसी भी समुदाय की यह धारणा कि उसके धार्मिक स्थलों को भारत के संविधान के तहत स्वतंत्रता, सुरक्षा प्राप्त है, पूरी तरह निराधार है, क्योंकि यह स्वतंत्रता बिना शर्त नहीं है। नागरिकों का धार्मिक स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार राज्य को किसी भी आर्थिक नियमन या प्रतिबंध के लिए कानून बनाने से नहीं रोकता है।

पिछले कुछ वर्षों में 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन करने या उसे निरस्त करने के लिए कदम उठाए गए हैं और इसी मकसद से केंद्र सरकार दो नए विधेयक लेकर आई है। पहले का मकसद 1923 के पुराने मुसलमान वक्फ अधिनियम को निरस्त करना है। यह कार्रवाई स्वागत-योग्य है। दूसरा, विधेयक 1995 के वक्फ अधिनियम के 2014 संस्करण में भारी बदलाव से जुड़ा है। अब अनेक मुस्लिम नेता कई बदलावों का विरोध कर रहे हैं। चूंकि पूरे भारत में बहुसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थलों का प्रबंधन अभी भी राज्य कानूनों द्वारा ही किया जा रहा है, इसलिए वक्फ के लिए भी ऐसा ही तरीका आजमाना सबसे न्यायसंगत होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5513

1	2	3	■	4	5	6	7
8			■	9			
	■	■	10	■		■	
11	12			13		14	■
15		■	16		■	17	
■	18	19	■	20	21		■
22			■	23		■	■
	■	24				■	25

संकेतः बाएं से दाएं
1. यह कर्नाटक तथा उत्तरी तमिलनाडु में बहने वाली एक नदी है जिसे दूसरी गंगा के नाम से भी जाना जाता है (3)
4. भारत के पांचवें बादशाह (4)
8. धोखा देकर माल लूटना (3)
9. लंबी गर्दन वाला एक जल पक्षी (4)
11. चापलूसी करना, खुशामद करना (7)
15. विश्वविद्यालय में संकायाध्यक्ष (2)
16. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला (2)
17. जगत, संसार, दुनिया (2)
18. तरकारी, सब्जी (2)
20. अफीम के अर्क और पान के योग से बना एक नशीला पदार्थ (3)
22. वर्षा ऋतु में गाया जाने वाला एक गीत, काली आंखों वाली एक गाय (3)
23. इंन्दिय सुख की इच्छा, नौकरी (2)
24. इस देश का स्वतंत्रता दिवस भी 15 अगस्त है (4)
25. उत्तम पुरुष एक वचन सर्वनाम (1)

ऊपर से नीचे
1. दिखावटी चीज (5)
2. प्रबल मनोवेग, प्रवाह, शीघ्रता (2)
3. इस अभिनेत्री ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसीन खान से विवाह किया था (2)
4. सर्दी में ओढ़ा जाने वाली एक प्रकार का वस्त्र (2)
5. जिसका स्वामित्व हो, हक बताने वाला (4)
6. वारि, सलिल, पाली, पूर्वाषाढा नक्षत्र (2)
7. पशु वेग बढ़ाने के लिए की गई क्रिया (3)
10. एक दिवंगत खल एवं चरित्र अभिनेता (3)
12. जीन बनाने वाला कारीगर (4)
13. कलम से बनाए गए बेलबूटे (5)
14. मल्लाह, केवट, नाव खेने वाला (3)
19. निर्धन, दरिद्र, कंगाल (3)
21. बलपूर्वक शांत करने का काम (3)
22. शरीर का एक संवदी अंग, कान (2)

वर्ग पहेली 5512 का हल

ज	म्मू	क	श्मी	र	■	स्पे	न
ज	■	मा	■	वि	ना	श	क
दे	वा	ल	य	■	■	ल	ब
व	■	अ	दा	व	ती	■	ज
■	रो	म	■	ज	ज	■	नी
भा	■	रो	श	न	■	सा	■
र	■	ही	रा	■	स	हि	त
त	क्ष	■	बी	र	ब	ल	■

अब्रहम लिंकन, विलियम लॉयड गेरिसन और अमेरिका का गृह युद्ध

(राजेश पाठक)

ईरान के इस्राइल पर हमले के रूप में अमेरिका ने प्रतिकार स्वरूप मध्यपूर्व जल क्षेत्र में स्थापित विमान वाहक युद्धपोत 'यूएसएस अब्रहम लिंकन' सहित एंटी मिसाइल सिस्टम को सक्रिय करने के आदेश दे दिए हैं। अमेरिका के ज्यादातर युद्ध पोत अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर हैं। लेकिन अभी हम देखें अब्रहम लिंकन क्यूँ सबसे ज्यादा चर्चित राष्ट्रपति में से एक हुये ।

एक समय अश्वेत आफ्रिकन्स को अमेरिका लाकर उनका गुलामों के रूप में अंग्रेज, स्पैनिश और पुर्तगाल के साथ व्यापार करना बड़ा ही लाभदयक था। इस व्यवसाय के लिए विशेष प्रकार की गेलरी से युक्त पानी के जहाज तैयार किये गए थे, जिसमे अलग-अलग खानों में एक के ऊपर एक अश्वेतों को लिटाकर रस्सी से कसकर घोर यातना युक्त दिनों की यात्रा पूर्ण कर गंतव्य स्थान पर पहुंचाया जाता थ। यही नस्लीय अत्याचार आगे चल अमेरिका में 1860 में होने वाले गृह युद्ध का कारण बना । हुआ ये कि ब्रिटिश संसद ने जब गुलाम-प्रथा समाप्त करी, तो अन्य यूरोपीय देशों और अमेरिका ने इसका अनुसरण किया और व्यापार बंद हो गया। लेकिन जो पहले से अश्वेत के साथ गुलामों के रूप में काम लिया जा रहा था वो चलता रहा। एक समय अमेरिका में 4 करोड़ अश्वेत बसा करते थे। लेकिन 1860 में अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति बने तो उन्होंने इसके विरुद्ध कड़े कदम उठाना शुरू कर दिए। लेकिन दक्षिण अमेरिका इसके खिलाफ उठ खड़ा हुआ। क्यूंकी उनकी कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था थी, जो कि बिना गुलामों के सहारे चलना मुश्किल थी। जबकि उत्तर अमेरिका बड़े पैमाने पर उद्धोगीकरण के दिशा में बढ़ चुका था। जिसमें उसे दक्ष श्रमिकों की जरूरत थे, अश्वेत गुलामों की नहीं। इसलिए लिंकन को उनका समर्थन मिला ।

और यहाँ तक कि गुलाम-प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर उत्तर अमेरिका धधक उठा। इस आंदोलन के प्रमुख नेता विलीयम लॉयड गेरिसन का ये उद्धोष जग- प्रसिद्ध है। उनका स्पष्ट कहना था , इस गुलाम-प्रथा को लेकर मध्य-मार्ग की कोई गुंजाइश नहीं। इस को सदा के लिए समाप्त कर डालने के लिए में उतना ही कठोर हूँ जितना कि सत्य, और उतना ही अडिग हूँ जितना कि न्याय । नहीं, नहीं ! जिसका घर जल रहा हो उस व्यक्ति से जाकर कहो कि वो शोर मचाने में विनम्रता दिखाए; जिसका पुत्र आग में फंसा हो उसकी माँ से जाकर बोलो कि वो जरा सलीके से अपने बच्चे को आग से बाहर निकाले। लेकिन इस घोर अमानवीय गुलाम-प्रथा को लेकर मेरे रुख में शिथिलता लाने का कोई आग्रह मत करो । एक इंच भी इस मामले में पीछे हट जाऊँ, इसकी कोई गुंजाइश नहीं । और आगे चलकर स्थिति विस्फोटक हो गृह-युद्ध में बदल गई । और अंतत = उत्तर अमेरिका विजय बनकर उभरा, गुलाम-प्रथा का अंत हुआ। लेकिन ये परिवर्तन अब्रहम लिंकन के जीवन की कीमत पर आया। एक सिरफिरे ने उनकी हत्या कर दी।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन लाभ से भरा होगा और ऑफिस में आपके ट्रांसफर की बात हो सकती है। आपको दूसरों की मदद करने से सकून मिलेगा और आपका मन प्रसन्?न रहेगा। आज का दिन परोपकार में बीतेगा और आप दूसरों के काम के लिए दिन भर भागदौड़ करते रहेंगे।

वृषभ

आज करियर के मामले में लाभ होगा और भाग्?य में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। भाग्यवश आपको दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। सेहत के प्रति सावधान रहें और काम सोचकर करें। शाम के समय घर में किसी मेहमान के आने से हर्ष होगा।

मिथुन

आज कारोबार में आपकी कोई बड़ी डील होने से आपको खुशी होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति से आपकी अभिलाषा पूरी होगी और आपको खुशी का अनुभव होगा। व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें।

कर्क

आज भाग्?य और सफलता से भरा होगा। कारोबार में लाभ होने आपको खुशी होगी और अकस्?मात आपको बड़ी मात्रा में धन मिलने से खुशी होगी। धन की प्राप्ति होने से आपके कोष में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होंगी।

सिंह

आज आशातीत सफलता मिलेगी और आपके धन में वृद्धि होने से खुशी होगी। संतान के प्रति दायित्व की पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और आपका कोई रुका कार्य पूर्ण होने से खुशी होगी। कार्य भी सम्पन्न होगा। शाम से लेकर रात आपके धन में वृद्धि होगी।

कन्या

आज दिन सफलता से भरा होगा और आपका दिन लाभ के साथ सम्?मान में बीतेगा। नौकरी में आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें तो आपको लाभ होगा। राजकीय मदद भी मिलेगी।

तुला

आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्?त होगी और आपके लिए नई उपलब्धियां हासिल होंगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। आपको हर कार्य में किस्?मत का साथ मिलेगा और मनचाहा फल प्राप्?त होगा। आपको विशेष सम्मान प्राप्त होगी।

धनु

आज दिन सफलता से भरा होगा और आपको कारोबार में लाभ होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। ऑफिस में कुछ जूनियर्स से आपका विवाद हो सकता ह। किसी संबंधी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये और पैसे और धन के लेनदेन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है।

कुंभ

आज करियर में लाभ का दिन है और आपके भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति को खरीदने और बेचने से पहले उसके सभी वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सांयकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा। आपको कारोबार में कहीं से फंसा धन प्राप्?त होने की उम्?मीद है।

वृश्चिक

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे और धन सम्?मान में वृद्धि होगी। आपकी प्रियजनों से भेंट होगी और वाणी में मधुरता आपको लाभ होगा।

मकर

आज दिन शुभ है और आपको मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। आपके व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। शाम को आपको किसी धार्मिक यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मीन

आज दिन शुभ है और कारोबार में आपको लाभ होने से मन में खुशी बनी रहेगी। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के वक?त कहीं परिवार के साथ कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रिलैक्स होगा।

संक्षिप्त समाचार

सड़कों के लिए केंद्र से मिली मदद पर हिमाचल सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने खुशी जाहिर की

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सड़कों के लिए केंद्र से मिली मदद पर हिमाचल सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि हम हिमाचल प्रदेश के हित में कोशिश कर रहे हैं। केंद्र सरकार से, केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि के रूप में, हिमाचल प्रदेश को सहायता मिली है। हिमाचल प्रदेश के लिए लगभग 300 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। इसमें कई सड़कें और ब्रिज शामिल है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के मार्गदर्शन और विभाग के प्रयासों से शिमला, हमीरपुर, कांगड़ा और मंडी जिलों में प्रमुख परियोजनाओं के लिये केंद्र से यह धनराशि मंजूर हुई है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री सड़क योजना का चौथे चरण का अंतिम खाका तैयार किया जा रहा है। हम उन सड़कों को अपग्रेड करेंगे जो प्रधानमंत्री सड़क योजना के पहले चरण के दौरान बनाई गई थीं ताकि गांव के इलाकों में अच्छी कनेक्टिविटी हो सके। उन्होंने कहा, मंजूर परियोजनाओं में राज्य के विभिन्न हिस्सों में संपर्क और बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से पांच सड़क और पुल कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने निरंतर इन परियोजनाओं की वकालत की और राज्य की बुनियादी ढांचा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से प्रदेश का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्यों में शिमला में 52 किलोमीटर टिक्कर-जरोल-गहन-ननखड़ी-खमाडी सड़क के उन्नयन के लिये 54.87 करोड़ रुपये, हमीरपुर में 20 किलोमीटर सुजानपुर टीहरा-संधोल सड़क के लिये 41.10 करोड़ रुपये, हमीरपुर में 37 किलोमीटर नवगांव-बेरी सड़क के लिये 79.25 करोड़ रुपये, कांगड़ा में गज खड्ड पर 828 मीटर उच्च स्तरीय पुल के निर्माण के लिये 86.34 करोड़ रुपये तथा मंडी में 9.6 किलोमीटर बखरोट-करसोग-सनारली-सैंज सड़क के उन्नयन के लिये 31.80 करोड़ रुपये की धनराशि शामिल है।

हिमाचल शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए उत्तर प्रदेश के शिक्षा मॉडल का अनुसरण करेगा : मंत्री

शिमला, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शिक्षा मॉडल का अध्ययन कर लौटे ठाकुर ने कहा कि उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी चर्चा की और सर्वोत्तम उपायों को साझा करने पर सहमति जताई। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने यहां शुक्रवार को बताया कि पहाड़ी राज्य उत्तर प्रदेश के शिक्षा मॉडल का अनुसरण करेगा और दोनों प्रदेश शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए सर्वोत्तम उपायों को साझा करेंगे। उत्तर प्रदेश के शिक्षा मॉडल का अध्ययन कर लौटे ठाकुर ने कहा कि उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी चर्चा की और सर्वोत्तम उपायों को साझा करने पर सहमति जताई। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में की गई सकारात्मक पहल के क्रियान्वयन के संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के बाद एक रूपरेखा तैयार की जाएगी।

उत्तराखंड : बारातियों से भरी मैक्स 200 फीट गहरी खाई गिरी, 3 की मौत, 10 घायल

श्रीनगर (उत्तराखंड), एजेंसी। कोटद्वार के लैंसडाउन तहसील क्षेत्र में बारातियों से भरी मैक्स करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई. दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. वाहन में चालक समेत कुल 15 लोग सवार थे. ग्राम बसड़ा से बारात की गाड़ियां ग्राम गुनियाल वापस आ रही थी, तभी ये हादसा घटित हुआ. सूचना पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी और लैंसडाउन विधायक दिलीप रावत हॉस्पिटल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना. राजस्व उपनिरीक्षक रंजन बिष्ट और रजिस्ट्रार कानूनगो जयकृष्ण भट्ट ने बताया कि गुनियाल गांव निवासी रोहित गुसाईं की शुक्रवार को शादी थी. बसड़ा गांव से शाम को दुल्हन की विदाई हुई. इसी दौरान बारातियों से भरी मैक्स सिसल्डी-सिलवाड़ मोटर मार्ग पर नौगांव के पास खाई में जा गिरी. सूचना पर लैंसडाउन एसडीएम शालिनी मौर्य, पुलिस व एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई. घायलों को निकालने में स्थानीय युवाओं ने भी सहयोग किया.हादसे में तीन बारातियों मुकेश सिंह (35) निवासी गुनियाल, दूल्हे की मौसेरी बहन नूतन (35), धीरज सिंह (65) निवासी गुनियाल की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए. वाहन में सवार दो बच्चे सुरक्षित हैं. घायलों को उपचार के लिए बेस अस्पताल कोटद्वार में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है. घटना की सूचना पर लैंसडाउन विधायक दिलीप रावत अस्पताल पहुंचे और उन्होंने डॉक्टरों को घायलों को उचित उपचार के लिए निर्देशित किया. इस दौरान अस्पताल में लोगों का आक्रोश भी देखने को मिला. लोग सड़क की खस्ताहाल को लेकर आक्रोशित हो गए।

महाराष्ट्र में नया बवाल- सीएम दल-बल आए, खाए-पीए और चले गए, अब तक ना चुकाया 1.58 करोड़ का बिल

मुंबई, एजेंसी। स्विट्जरलैंड स्थित एक कंपनी ने महाराष्ट्र सरकार को 1.58 करोड़ रुपये के बिलों का कथित रूप से भुगतान नहीं करने पर कानूनी नोटिस भेजा है। यह बिल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके कुछ मंत्रियों के दौरे से संबंधित है। इस साल जनवरी में सीएम शिंदे दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच में शामिल होने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर गए थे। इस दौरान महाराष्ट्र का एक शिष्टमंडल भी उनके साथ गया था, जो राज्य में निवेश को आकर्षित करने के लिए उस बैठक में शामिल हुआ था। दावोस प्रवास के दौरान एक कंपनी ने इन लोगों का आतिथ्य सत्कार किया। शिष्टमंडल होटल में जहां ठहरा और खाया-पीया, उसका कथित तौर पर भुगतान नहीं किया गया। इसलिए उस कंपनी ने 1.58 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करने में विफल रहने पर महाराष्ट्र सरकार को कानूनी नोटिस भेजा है।

आतिथ्य सत्कार करने वाली कंपनी ने 28 अगस्त को इस बारे में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय, विदेश मंत्री एस जयशंकर और विश्व आर्थिक मंच सहित अन्य को नोटिस भेजते हुए आरोप लगाया है कि सरकारी कंपनी एमआईडीसी ने 1.58 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है, जबकि स्विस कंपनी ने 15 से 19 जनवरी के बीच आयोजित विश्व आर्थिक मंच के सम्मेलन के दौरान उपलब्ध कराई गई सेवाओं के लिए बिल जमा कर दिए थे।

2 हफ्ते में दूसरी बार कल्याण बोर्ड दांव, जैन समुदाय पर क्यों शिंदे सरकार मेहरबान

नोटिस के अनुसार, कुल बिल में से 3.75 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जबकि 1.58 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि संपर्क करने पर एमआईडीसी के सीईओ पी वेलरासु ने इस तरह का कोई नोटिस मिलने से इनकार किया है। उन्होंने कहा, मुझे ऐसे किसी नोटिस की जानकारी नहीं है। हालांकि, एमआईडीसी वाउचर की जांच करेगा और आवश्यक कार्रवाई करेगा। मामले का गुण-दोष के आधार पर जल्द से जल्द फैसला किया जाएगा। इधर, इस मामले पर राज्य के सियासी खेमे में खलबली मच गई है। शिवसेना यूबीटी के आदित्य ठाकरे और एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार सहित विपक्षी महा विकास अघाड़ी विधायकों ने आरोप लगाया है कि सरकार ने दावोस यात्रा पर जरूरत से ज्यादा खर्च किया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में पवार ने दावा किया कि इस घटना ने विश्व आर्थिक मंच पर राज्य की छवि खराब कर दी है और निवेशकों को एक बुरा संदेश दिया है। 'एक्स' पर पवार द्वारा पोस्ट किए गए नोटिस के कुछ हिस्सों के अनुसार, कंपनी 'एसकेएएच जीएमबीएच' को महाराष्ट्र प्रतिनिधिमंडल को खानपान और आतिथ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एमआईडीसी द्वारा नियुक्त किया गया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जो निवेशकों को आकर्षित करने के लिए दावोस गया था। इसमें कहा गया है कि 1,58,64,625.90 रुपये का बकाया भुगतान किया जाना है। इस बीच, राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि यात्रा का आयोजन करने वाले महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) ने कहा है कि कंपनी के दावे के विपरीत दावोस यात्रा के दौरान कोई अतिरिक्त खर्च नहीं किया गया था।

ओबीसी समुदाय को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिया धोखा : हिमंता बिस्वा सरमा

रांची, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। रांची स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी का 100 दिनों का कार्यकाल ओबीसी समुदाय के साथ एक धोखा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के क्रम में राहुल गांधी ने बार-बार आबादी के हिसाब से हर समुदाय की हिस्सेदारी की वकालत की थी। इस हिसाब से माना जा रहा था कि वे किसी ओबीसी सांसद को नेता प्रतिपक्ष बनाएंगे, लेकिन खुद बन गए। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि आबादी के हिसाब से गांधी परिवार का कितना हक बनता है? गांधी परिवार के तीन-तीन सदस्य कांग्रेस में महत्वपूर्ण पदों पर काबिज हैं, जो खुद राहुल गांधी की संकल्पना के खिलाफ है। उन्होंने राहुल गांधी से इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। सरमा ने असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषा घोषित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अक्सर इस विषय पर विवाद होता था कि असमिया एक मौलिक भाषा है या इसका जन्म बांग्ला से हुआ है। असमिया की मौलिकता को लेकर दशकों तक कई आंदोलन भी चले।

जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन से पहले 5 विधायकों को मनोनीत करने पर हंगामा, विरोध में उतरी कांग्रेस

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन से पहले 5 विधायकों के मनोनीत करने के कदम पर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस की ओर से इसका कड़ा विरोध किया जा रहा है। उसने ऐसे किसी भी फैसले को लोकतंत्र और संविधान के मूल सिद्धांतों पर हमला करार दिया। खबरों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में पहली बार नई सरकार के गठन में पांच मनोनीत विधायकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक के अंतराल के बाद चुनाव हुए हैं। गृह मंत्रालय की सलाह के आधार पर उपराज्यपाल इन सदस्यों को नामित करेंगे। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में पिछले साल 26 जुलाई 2023 को संशोधन करने के बाद यह प्रक्रिया शुरू की गई। 5 विधायकों को मनोनीत किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सदस्य संख्या 95 हो जाएगी, जिससे सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 48 हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य प्रवक्ता रवींद्र शर्मा ने कहा, 'हम जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन से पहले उपराज्यपाल की ओर से पांच विधायकों को मनोनीत करने का विरोध करते हैं। ऐसा कोई भी कदम लोकतंत्र, जनादेश और संविधान के मूल सिद्धांतों पर हमला करने के समान है।' कांग्रेस नेता ने इस मुद्दे पर अपनी असहमति और विरोध जताया। साथ ही, इसका डटकर मुकाबला करने की घोषणा की। इस दौरान पार्टी नेता रमन भल्ला भी मौजूद थे। शर्मा ने कहा, 'संविधान के मुताबिक, उपराज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना चाहिए। चुनाव के बाद बहुमत या अल्पमत की स्थिति को बदलने के लिए मनोनयन के प्रावधान का दुरुपयोग करना हानिकारक होगा।' उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार उपराज्यपाल के पास कश्मीरी पंडितों और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों सहित 5 विधायकों को नामित करने का अधिकार है।

अग्निवीरों के लिए खुशखबरी, 25 फीसदी से अधिक जवानों की नौकरी हो सकती है पक्की

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार अग्निवीर योजना को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार कर रही है। इस सिलसिले में रक्षा मंत्रालय ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों से पूछा है कि क्या वह 25 फीसदी से ज्यादा अग्निवीरों को स्थाई कर पाने में सक्षम हैं? तीनों सेनाओं के प्रमुख जल्द इस बारे में सरकार को अपनी राय सौंप सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि कोरोना काल में सेनाओं में भर्ती नहीं होने के कारण तीनों सेनाओं में जवानों के पद रिक्त हैं इसलिए आने वाले दिनों में 25 फीसदी से ज्यादा अग्निवीरों को स्थायी किए जाने के मौके मिल सकते हैं। हालांकि तीनों सेनाओं के भीतर इस मामले पर अभी गहन परामर्श की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन यदि रिक्तियों के आधार पर अग्निवीरों का स्थायीकरण होता है तो ज्यादा अग्निवीरों का स्थाई होना तय माना जा रहा है। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह से इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि सरकार ने तीनों सेनाओं से इस बारे में पूछा है। इस पर परामर्श चल रहा है तथा हम अपनी राय सरकार को जल्द सौंपेंगे। योजना के तहत चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर अधिकतम 25 फीसदी तक अग्निवीरों को स्थाई किया जाएगा। इसके लिए उन्हें अलग से एक टेस्ट पास करना होगा। तब से तीनों सेनाओं में अग्निवीरों की लगातार भर्ती हो रही है।

पेड़ पर चढ़ा था ताड़ी उतारने और वहीं थम गई जिंदगी: भभुआ में अजीबो-गरीब मौत

कैमूर (भभुआ), एजेंसी। बिहार के भभुआ शहर के वार्ड नंबर 14 में ताड़ के पेड़ पर ताड़ी उतारने चढ़े एक व्यक्ति की अचानक मौत हो गई. आशंका जताई जा रही है कि उसे हार्ट अटैक आया था, जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई. लोगों ने उस व्यक्ति को काफी देर तक पेड़ से चिपका देखा तो अनहोनी की आशंका हुई. तत्काल इसकी सूचना दी गयी. मौके पर भभुआ एसडीओ विजय कुमार, डीएसपी शिव शंकर कुमार पहुंचे. सीढ़ी लगाकर शव को उतारा फिर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. भभुआ के डीएसपी शिव शंकर कुमार का कहना है कि सूचना मिली थी कि एक युवक की ताड़ के पेड़ पर ही मौत हो गई है. उसके बाद बिजली विभाग से वाहन सीढ़ी मांगा कर शव को उतारा गया. फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी. जिला प्रशासन हर सम्भव मदद परिजनों को करेगा.

पेड़ से चिपका था शव: मृतक की पहचान प्रेम चौधरी के रूप में की गयी. सात वर्षों से भभुआ में रह कर पेड़ से नीरा उतारने और बेचने का काम करता था. औरंगाबाद जिले सीढ़ी खैरा का रहने वाला था. परिजन के अनुसार 4 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे ताड़ी उतारने के लिए ताड़ के पेड़ पर चढ़ ही रहा था कि उसकी मौत हो गई. ताड़ के पेड़ पर लाश चिपके होने की सूचना पर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. पेड़ के पास बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई.

सात माह पहले पत्नी की हुई थी मौत: मृतक के पुत्र कुंदन कुमार ने बताया कि उसके पिता करीब 3 बजे रूम से ताड़ी उतारने के लिए निकले थे. आधे घन्टे बाद ही उनकी मौत होने की सूचना मिली, जबकि उनकी तबीयत भी खराब नहीं थी. कुंदन ने बताया कि सात माह पहले ही उसकी मां भी गुजर गयी थी. उसे दो भाई और तीन बहन है. घर का खर्च कैसे चलेगा, इसको लेकर परेशान था. जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग की.

मुआवजे की मांग: मृत प्रेम चौधरी के मकान मालिक आजाद कुमार ने बताया कि सात वर्षों से उसके मकान में रह रहा था. आज ताड़ी उतारने के दौरान ताड़ के पेड़ पर ही उसकी मौत हो गई. भभुआ नगर सभापति विकास उर्फ बबलू तिवारी ने बताया कि ताड़ के पेड़ पर ताड़ी उतारने के दौरान उसकी मौत हुई. पत्नी भी पहले ही गुजर चुकी है.

जम्मू-कश्मीर में सरकार की शक्तियों में कटौती के प्रयास की बात को गृह मंत्रालय ने किया खारिज

नईदिल्ली, एजेंसी। उमर अब्दुल्ला के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट का जवाब देते हुए शाह के कार्यालय ने कहा, उमर अब्दुल्ला का ट्वीट भ्रामक और अटकलों से भरा है। इसमें जरा सी भी सच्चाई नहीं है क्योंकि ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस बात को सिरे से खारिज कर दिया कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही गठित होने वाली सरकार या मुख्यमंत्री की शक्तियों में कटौती करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इस बात में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री की उस टिप्पणी के बाद यह कड़ा बयान जारी किया है जिसमें उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश के नौकरशाहों से कहा था कि वे आगामी निर्वाचित सरकार को 'और अधिक कमजोर' करने के किसी भी दबाव का विरोध करें। उमर अब्दुल्ला के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट का जवाब देते हुए शाह के कार्यालय ने कहा, उमर अब्दुल्ला का ट्वीट भ्रामक और अटकलों से भरा है। इसमें जरा सी भी सच्चाई नहीं है क्योंकि ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं है।

नोएडा एक्सप्रेस-वे पर अब होगी इजराइली तकनीक से सिंचाई, प्राधिकरण तैयार कर रहा प्लान

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में इजराइल की तकनीक से सिंचाई होगी और इसके लिए नोएडा प्राधिकरण एक प्लान तैयार कर रहा है। सीएसआर फंड के जरिए इस तकनीक से सिंचाई की जाएगी। इसे ड्रिप तकनीक कहते है। इसी के जरिए नोएडा एक्सप्रेस-वे के सेंट्रल वर्ज पर सिचाई का काम किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने अपने सलाहकार को एस्टीमेट बनाने के लिए कहा है। जानकारी के मुताबिक इस तकनीक से सिंचाई के फायदे है। जिसमें पानी की बचत सबसे ज्यादा होती है। नोएडा- ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे का अधिकांश हिस्सा नोएडा में आता है। वर्तमान में यहां टैंकर के जरिए सिचाई की जाती है। इस तरह से सिचाई करना पेड़ पौधों को नुकसान पहुंचाता है। साथ ही हाइ स्पीड एक्सप्रेस-वे पर ये अन्य वाहनों के लिए घातक है। इसलिए यहां ड्रिप सिंचाई कराने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए सर्विस लेन पर एक टैंकर बनाया जाएगा। जिसमें एसटीपी से लाया गया पानी स्टोर होगा। इस पानी को फिल्टर किया जाएगा। फिल्टर पानी दूसरी पाइप लाइन के जरिए एक्सप्रेस वे की सेंट्रल वर्ज तक

जाएगा। इस पाइप में कुछ-कुछ दूरी पर छेद होते है। इन छेदों से पानी ड्रॉप-ड्रॉप करके जमीन पर पानी जाता है। जिससे पौधों को पानी मिलता है। साथ ही पानी की बर्बादी नहीं होती। ड्रिप सिंचाई की एक आधुनिक तकनीक है । जिसमें पानी पौधों की जड़ों तक बूंद-बूंद करके पहुंचाया जाता है। इसे टपक सिंचाई या बूंद-बूंद सिंचाई भी कहा जाता है। ड्रिप सिंचाई में पानी की बर्बादी कम होती है और पौधों को जरूरी मात्रा में पानी मिलता है। इसके खर्च की बात करें तो सिर्फ टैंकर और पानी सप्लाई के पाइप की आवश्यकता होती है। इस टैंकर से पानी सप्लाई का काम मशीनों से किया जाता है। इसे इको फ्रेंडली बनाने के लिए मशीन ऑपरेशन का सारा काम सोलर एनर्जी से किया जाएगा। ड्रिप सिंचाई में पानी और पोषक तत्वों को पाइपों के जरिए खेत में पहुंचाया जाता है। इन पाइपों को ड्रिप लाइन कहा जाता है। ड्रिप लाइन में छोटे-छोटे एमिटर होते हैं, जो पानी और उर्वरक की बूंदें छोड़ते हैं। ड्रिप सिंचाई में पानी की मात्रा और दबाव को नियंत्रित किया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई में पानी का रिसाव कम होता है।

पीएम मोदी का मंदिर बनवाने वाले कार्यकर्ता ने भाजपा छोड़ी

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंदिर बनवाने वाले कार्यकर्ता ने भाजपा छोड़ दी है। मयूर मुंडे ने साल 2021 में मोदी मंदिर का निर्माण करवाया, जो काफी सुर्खियों में रहा था। दरअसल, महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की पुणे यूनिट के भीतर मतभेद दिख रहे हैं। कोथरुड और खडकवासला के मौजूदा विधायकों पर उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में दखल देने की कोशिश का आरोप लगा है। ऐसा कहा जा रहा है कि शिवाजीनगर से विधायक सिद्धार्थ शिरोले वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर रहे हैं। इसे लेकर श्री नमो फाउंडेशन के मयूर मुंडे ने शिरोले के खिलाफ कड़ी नाराजगी जताई और अपने आरोपों को सार्वजनिक कर दिया। मयूर मुंडे ने कहा, मैंने कई बरसों से वफादार पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। मैं विभिन्न पदों पर रहा और ईमानदारी से पार्टी के लिए काम किया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंडे ने बताया कि भाजपा वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर रही है और अन्य राजनीतिक दलों से शामिल होने वालों को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक अपना समर्थन आधार बढ़ाने में लगे हुए हैं और इसके लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। दूसरे दलों से

आने वालों को पार्टी के विभिन्न पद दिए जा रहे हैं। मुंडे ने कहा कि पुराने पदाधिकारियों का अपमान हो रहा है। अब उन्हें पार्टी की बैठकों में भी नहीं बुलाया जाता है। उनकी राय तक नहीं सुनी जा रही और उन्हें चुनाव प्रक्रिया से दूर कर दिया गया है। भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद मुंडे ने कहा, मौजूदा विधायक उन लोगों के इलाकों में विकास निधि खर्च कर रहे हैं जो दूसरी पार्टियों से बीजेपी में शामिल हुए हैं। वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं के क्षेत्र के लिए कुछ नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधायक को बीते 5 साल में शिवाजीनगर विधानसभा क्षेत्र में किसी भी 2 प्रमुख परियोजनाओं को लागू करने के लिए धन मिला। उन्होंने इसके लिए कोई प्रयास भी नहीं किया। ऐसे में इस निर्वाचन क्षेत्र का विकास थम गया है।

केंद्र की मदद के बिना कांग्रेस एक दिन भी नहीं चला सकती हिमाचल सरकार: नड्डा

शिमला/बिलासपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस केंद्र के मदद के बिना एक दिन भी हिमाचल प्रदेश की सरकार नहीं चला सकती। बिलासपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई द्वारा आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार राजस्व घाटे के अनुदान के तौर पर 500 करोड़ रुपये और वेतन और पेंशन भुगतान के लिए अनुदान के तौर पर 800 करोड़ रुपये देती है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग बात करते हैं। उन्होंने कहा, जब वह हिमाचल प्रदेश में और चुनावों के दौरान बोलते हैं तो कहते हैं कि राज्य को केंद्र से कुछ नहीं मिलता, जबकि दूसरी तरफ, दिल्ली में वह वित्तीय मदद के लिए आभार व्यक्त करते हैं, और अधिक मदद की गुहार लगाते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में केंद्र की मदद के बिना एक दिन भी सरकार नहीं चला सकती, लेकिन राज्य सरकार के पास इस बात का कोई हिसाब नहीं है कि पैसा कहां खर्च हो रहा है। नड्डा ने कहा कि इस सितंबर में पहली तारीख को राज्य सरकार के

कर्मचारियों का वेतन न देकर सुक्खू ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने इसे मौजूदा सरकार की सबसे बड़ी आपदा बताया। मंत्री ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस शासित राज्यों में नशाखोरी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में 5,600 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्ती मामले में कांग्रेस के नेता की संलिप्तता पाई गई।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस है तो भ्रष्टाचार है, कांग्रेस (का मतलब) अपराधीकरण और कमीशन है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य को पीछे को ओर ले जा रही है जहां पिछली भाजपा सरकार द्वारा शुरू किए गए सभी विकास कार्य ठप हो गए हैं या बंद हो गए हैं। केंद्र सरकार के 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि छह करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा गया है, जो हर वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर, तेज गति से वाहन चलाने के लिए अनुकूल आठ राष्ट्रीय गलियारों और आठ रूट पर रेल लाइन बिछाने को मंजूरी दी है।

इंडिया-बांग्लादेश:

संजू सैमसन करेंगे ओपन, दो खिलाड़ियों का डेब्यू!

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश के खिलाफ 3 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने जा रही है जिसकी शुरुआत 6 अक्टूबर से होगी। भारत को पहला मैच ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेलना है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत की कोशिश होगी कि वो सीरीज की शुरुआत जीत के साथ करें। इस सीरीज में शुभमन गिल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव खेलते हुए नजर नहीं आएंगे जिन्हें आगे के शेड्यूल को देखते हुए आराम दिया गया है।

संजू-अभिषेक करेंगे ओपन

बांग्लादेश के खिलाफ इस टी20आई सीरीज के लिए भारतीय टीम में सिर्फ एक ही विशेषज्ञ ओपनिंग बल्लेबाज है और इसका मतलब है कि अभिषेक शर्मा का खेलना तय है। टीम में अन्य कोई ओपनर नहीं है ऐसे में संजू सैमसन भारत के लिए ओपनिंग कर सकते हैं और इसकी पूरी संभावना है। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे नंबर पर खेलेंगे तो वहीं रियान पराग चौथे नंबर पर खेलते हुए नजर आ सकते हैं। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या दो महीने से अधिक समय के बाद वापसी करेंगे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, जबकि

रिंकू सिंह छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

हर्षित और मयंक का हो सकता है डेब्यू

पहले मैच में वाशिंगटन सुंदर को सातवें नंबर पर स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में शामिल किया जाना चाहिए, जबकि रवि बिश्नोई एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर होंगे, जिसका मतलब है कि वरुण चक्रवर्ती को अपनी वापसी के लिए इंतजार करना होगा। अर्शदीप सिंह तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी संभालेंगे जबकि उनका साथ हर्षित राणा और मयंक यादव दे सकते हैं। इस मैच के जरिए इस बात की संभावना है कि हर्षित राणा और मयंक यादव का डेब्यू होगा।

पहले मैच के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन

अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रियान पराग, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मयंक यादव।

बांग्लादेश टी-20 के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर) , अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव।

सार समाचार

कश्मीर में 38 साल बाद होगी क्रिकेट की वापसी, लीजेंड्स लीग में चौके-छक्के लगाते नजर आएंगे महान क्रिकेटर्स

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रीनगर का बख्शी स्टेडियम लीजेंड्स लीग क्रिकेट के लिए तैयार है और बुधवार से टूर्नामेंट शुरू होने के साथ ही 38 साल बाद संघर्षग्रस्त कश्मीर घाटी में एक बार फिर क्रिकेट की वापसी होगी। श्रीनगर ने अब तक अपने इतिहास में केवल दो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी की है जिसमें पहला 1983 में और दूसरा मैच 1986 में खेला गया था।

सन् 1989 में उग्रवाद भड़कने के कारण यह क्षेत्र अराजकता में डूब गया। अब शहर एलएलसी के अंतिम चरण में 9 अक्टूबर से लगातार सात क्रिकेट मैचों की मेजबानी करेगा। यह एक टी20 क्रिकेट लीग है जिसमें हाल ही में संन्यास ले चुके महान क्रिकेटर शामिल हैं और जो इंडियन प्रीमियर लीग की तरह प्रसिद्ध हो रहा है। क्रिस गेल, सुरेश रैना, इरफान पठान, मार्टिन गुप्टिल, रॉस टेलर और इयान बेल जैसे 124 खिलाड़ियों वाली छह टीमें सुरम्य घाटी में जुटेंगी।

बारबाडोस 2026 में, गयाना 2025 में सीपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा

त्रिनिदाद, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) ने पुष्टि की है कि बारबाडोस का प्रतिष्ठित केंसिंग्टन ओवल 2026 में पहली बार सीपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा, जबकि गयाना का प्रोविडेंस स्टेडियम 2025 के फाइनल के लिए स्थल के रूप में काम करेगा, जो प्रतिष्ठित मैच की मेजबानी करने वाला लगातार चौथा वर्ष है।

यह घोषणा गत सीपीएल चैंपियन गयाना अमेज़न वारियर्स द्वारा 2024 के फाइनल में अपनी जगह पक्की करने से कुछ समय पहले की गई। गयाना के अध्यक्ष मोहम्मद इरफ़ान अली ने टीम की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और 2025 के फाइनल की मेजबानी को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं इस अवसर पर गयाना अमेज़न वारियर्स को सफलता की कामना करना चाहता हूं क्योंकि हम लगातार दो बार से ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं।अन्य सभी टीमों के लिए, हम आपको शुभकामनाएं देते हैं क्योंकि हम एकता के साथ मिलकर खेलते हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए भी बहुत खुशी हो रही है कि गयाना सीपीएल 2025 के फाइनल की मेजबानी करेगा।

सीपीएल: रहमानुल्लाह गुरबाज ने छक्कों की झड़ी लगाकर कटाया फाइनल का टिकट

नईदिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तानी टीम के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज ने यही कहर नॉक आउट मुकाबले में बरपाया, जहां उनकी 18 गेंदों वाली पारी ने टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई.

गुरबाज ने सिर्फ 18 गेंदों में 4 शानदार छक्के लगाए और साथ ही 2 चौके भी जमाए. खास बात ये है कि जब वो आउट हुए तो टीम के सिर्फ 54 रन थे, जिसमें से 40 गुरबाज के थे. गुरबाज ने तेज शुरुआत दिला दी थी, जिसे आगे बढ़ाया मोईन और शे होप ने. मोईन तो संभल कर खेलते रहे लेकिन होप ने गुरबाज की तरह ताबड़तोड़ बैटिंग की. जीत से सिर्फ 2 रन पहले होप आउट हो गए.

पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सिदरा नवाज ने कहा...

मुझे बाबर से ज्यादा विराट पसंद!

नई दिल्ली, एजेंसी । बाबर आजम या विराट कोहली, कौन है बेस्ट बल्लेबाज? यह सवाल काफी पुराना है लेकिन जब भी इस पर चर्चा होती है तो फैंस के बीच हमेशा जुनून देखने को मिलता है। अब इस सवाल का जवाब पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सिदरा नवाज ने दिया है। सिदरा नवाज ने कहा, मुझे दोनों पसंद हैं, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मैं विराट कोहली को चुनती हूं।

विराट कोहली ने खेल के इतिहास में शायद सबसे महान बल्लेबाजों में से एक के रूप में अपनी विरासत को मजबूत किया है। आईसीसी इवेंट से लेकर तीनों प्रारूपों में उनका प्रदर्शन सराहनीय है। कोहली का सबसे सफल प्रारूप वनडे रहा है क्योंकि उन्होंने 295 मैचों में 13,906 रन बनाए हैं। अप्रैल 2021 से पहले विराट कोहली ने दुनिया में नंबर एक रैंकिंग वाले वनडे बल्लेबाज के रूप में 1258 दिन बिताए थे। इसके बाद बाबर का यहां कब्जा था लेकिन हाल ही में सफेद गेंद की कप्तानी से हटने वाले पाकिस्तान के बल्लेबाज को 2023 में शुभमन गिल ने पीछे छोड़ दिया था, लेकिन दिसंबर 2023 में उन्होंने अपना स्थान फिर से हासिल कर लिया और अभी भी वनडे लीडरबोर्ड में शीर्ष पर हैं। महिला टी20 विश्व कप पर पूरी दुनिया के क्रिकेट फैंस की नजर है।

टूर्नामेंट में भारत की शुरुआत न्यूजीलैंड के हाथों 58 रन की करारी हार के साथ हुई और अब टीम का लक्ष्य पाकिस्तान के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में वापसी करना होगा। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने पहले मुकाबले में श्रीलंका पर 31 रन की जीत दर्ज की है।

सिदरा नवाज नवाज का मानना है कि भले ही आंकड़े इस मुकाबले में भारत के पक्ष में हो, लेकिन पाकिस्तान की लय टीम इंडिया को मैच में दबाव में डाल सकती है।

शंघाई मास्टर्स:

अल्काराज़ ने शांग को हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया

शंघाई, एजेंसी। बीजिंग फाइनल में जानिक सिनर पर अपनी रोमांचक जीत के कुछ ही दिनों बाद, कार्लोस अल्काराज़ ने शंघाई मास्टर्स में अपना दबदबा जारी रखा और दूसरे दौर में चीन के उभरते सितारे शांग जुनचेंग को 6-2, 6-2 से आसानी से हरा दिया।

अल्काराज़, जो अपने 18 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी से तीन साल बड़े हैं, ने स्वीकार किया कि एटीपी टूर पर खुद से कम उम्र के किसी खिलाड़ी का सामना करना असामान्य लगा। मैच के बाद अल्काराज़ ने कहा, मुझे अपने से कम उम्र के खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने की आदत नहीं है। वह हाल ही में अच्छा टेनिस खेल रहा है, उसने अपना पहला एटीपी (चेंगदू में खिताब) जीता है, इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि वह रैंकिंग में ऊपर जाएगा। मैं इस तरह के मैच जीतने में सक्षम होने से खुश हूं।

शुरुआत से ही, अल्काराज़ ने शंघाई के दर्शकों के सामने शानदार खेल दिखाया, पहले नौ अंक जीतकर मैच की शुरुआत की और तुरंत ही शांग की सर्विस तोड़ दी। स्पैनियार्ड के आक्रामक नेट प्ले और शक्तिशाली रिटर्न ने उनके प्रतिद्वंद्वी को पूरे समय बैकफुट पर रखा। अल्काराज़ ने सात में से चार ब्रेक पॉइंट को बदला और अपने सभी सात नेट एप्रोच जीते। मैच का एक मुख्य आकर्षण दूसरे सेट की शुरुआत में आया जब अल्काराज़ ने पीछे हटने के लिए मजबूर होने के बाद एक शानदार बैकवर्ड फ्लिक किया और एक अंक बचाया।

उन्होंने उस रैली को जीत लिया और मैच में अपने सामने आए एकमात्र ब्रेक पॉइंट को बचाकर अपनी 3-1 की बढ़त बनाए रखी। शांग, जो स्पष्ट रूप से मात खा रहे थे, लेकिन अच्छे मूड में थे, अल्काराज़ के धमाकेदार रिटर्न के बाद केवल मुस्कुराए, जिससे तीसरे सीड के लिए एक और गेम पक्का हो गया। हार के बावजूद, शांग ने एक यादगार अनुभव के साथ कोर्ट छोड़ा। अल्काराज़ ने अपने प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा, नेट पर उन्होंने मुझसे कहा कि आपके साथ कोर्ट साझा करना खुशी की बात है। इस तरह की बातें जो मैं युवा खिलाड़ियों से सुनता हूं, वह बहुत बढ़िया है।

अल्काराज़, जिन्होंने यूएस ओपन में दूसरे दौर में आश्चर्यजनक रूप से बाहर होने के बाद से कोई मैच नहीं हारा है, अब तीसरे दौर में एक अन्य चीनी स्टार वू यिबिंग का सामना करेंगे।

ईरानी कप:

मुंबई ने 125 पर गंवा दिए थे 6 विकेट, कोटियान ने शतक जड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरानी कप 2024 में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ मुंबई ने शनिवार (5 अक्टूबर) को दूसरी पारी में 125 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तनुष कोटियान न सिर्फ शतक जड़ा बल्कि नंबर 10 के बल्लेबाज मोहित अवस्थी के साथ शतकीय साझेदारी करके 300 के पार पहुंचा दिया। ईरानी कप का शनिवार (5 अक्टूबर) को 5वां दिन था। मुंबई की बढ़त 428 रन की हो गई है। यह मैच ड्रॉ की ओर बढ़ गया है। ऐसा होने पर पहली पारी में बढ़त के आधार मुंबई अपने नाम खिताब कर लेगी।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 416 रन बनाए थे। मुंबई की बल्लेबाजी की बात करें तो ओपनर पृथ्वी शॉ ने 76 रन बनाए। इसके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज नहीं चला। 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए। तनुष कोटियान ने शतक जड़ दिया। यह उनका दूसरा प्रथम श्रेणी शतक है। उन्होंने कई अवसरों पर सिंगल लेने से रोकने के बावजूद मात्र 135 गेंदों पर शतक पूरा किया।

चोट या फिर सावधानी?

रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए पहले दो मैच नहीं खेलेंगे मोहम्मद शमी

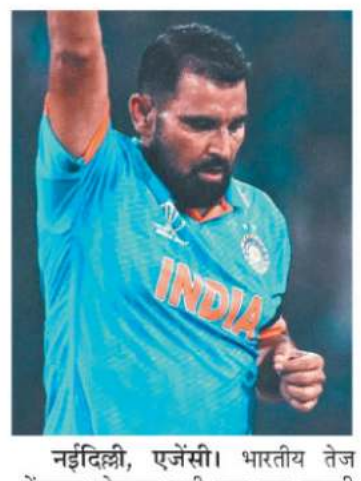

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कब तक वापसी करेंगे? क्या रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी खेलते नजर आएंगे? मोहम्मद शमी की वापसी से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही है. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रणजी ट्रॉफी के लिए बंगाल की 19 सदस्यीय टीम में मोहम्मद शमी को शामिल नहीं किया गया है.

हालांकि, यह 19 सदस्यीय स्क्वॉड महज पहले 2 मैचों के लिए है, लेकिन मोहम्मद शमी का नाम नहीं है. इस वक्त मोहम्मद शमी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं. मोहम्मद शमी आखिरी बार भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप में नजर आए थे. इसके बाद तेज गेंदबाज को सर्जरी से गुजरना पड़ा. फिलहाल, मोहम्मद शमी बैंगलोर स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं.

पिछले दिनों ने मोहम्मद शमी ने कहा था कि वह भारतीय टीम में कमबैक से पहले घरेलू क्रिकेट में खेलना चाहते हैं, लेकिन अब सवाल है कि बंगाल रणजी ट्रॉफी टीम में मोहम्मद शमी का नाम क्यों नहीं है? क्या मोहम्मद शमी रिकवरी नहीं कर पाए हैं या फिर चयनकर्ता तेज गेंदबाज को लेकर सावधनी बरत रहे हैं?

पिछले दिनों मोहम्मद शमी ने ट्वीट किया था. इस ट्वीट में उन्होंने साफ किया कि वह फिर से चोटिल नहीं हुए हैं, वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन क्या न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मोहम्मद शमी वापसी करेंगे? टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, मोहम्मद शमी तेजी से रिकवरी कर रहे हैं. बीसीसीआई के एक सीनियर ऑफिशियल ने बताया कि हमारा फोकस न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर है. बीसीसीआई के स्पेशलिस्ट मोहम्मद शमी पर लगातार नजर रख रहे हैं. साथ ही वह तेजी से रिकवरी कर रहे हैं.

आईओसी ने राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघों की मान्यता रद्द करने का आदेश दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। आइओसी ने राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को 30 सितंबर को भेजे गए एक पत्र में दोहराया कि जो राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ आईबीए के साथ संबंध समाप्त नहीं करेंगे, उन्हें 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग नहीं लेने दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अपने सदस्य देशों से निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) से संबंध रखने वाले राष्ट्रीय महासंघों की मान्यता खत्म करने के लिए

कहा है जिससे इन दोनों खेल संस्थाओं के बीच चल रहा विवाद और गहरा गया है।

आइओसी ने राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को 30 सितंबर को भेजे गए एक पत्र में दोहराया कि जो राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ आईबीए के साथ संबंध समाप्त नहीं करेंगे, उन्हें 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग नहीं लेने दिया जाएगा। आईओसी ने अपने पत्र में कहा- एनओसी अब उन राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघों के साथ संबद्ध या संस्थागत संबंध नहीं बनाए रखेगा जो अभी भी आईबीए से संबद्ध है। कोई भी मुक्केबाज जिसका राष्ट्रीय महासंघ आईबीए से संबंध रखता है तो वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में भाग नहीं ले पाएगा।

हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला: हरमनप्रीत

दुबई, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप की तैयारियों में, भारतीय खिलाड़ियों सहित कई लोगों ने इस बारे में बात की कि यह टूर्नामेंट के किसी भी संस्करण में खेलने वाली अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम थी, जिसने सभी आधार कवर किए थे। लेकिन टूर्नामेंट से पहले की पसंदीदा टीम हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने ग्रुप ए में सभी पहलुओं में निराशाजनक प्रदर्शन के साथ खराब शुरुआत की और शुक्रवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड से 58 रनों की भारी हार का सामना करना पड़ा।

मैच खत्म होने के बाद निराश हरमनप्रीत ने कहा, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला। आगे बढ़ने के लिए हम जानते हैं कि हर मैच महत्वपूर्ण है। हमने मौके बनाए लेकिन हम उन मौकों का फायदा नहीं उठा पाए। उन्होंने हमसे बेहतर क्रिकेट खेला, इसमें कोई शक नहीं है। (इन) फील्डिंग में हमने कुछ गलतियाँ कीं, इसलिए यह हमारे लिए आगे बढ़ने के लिए एक सीख है। हरमनप्रीत ने कहा, हमने कई बार 160-170 के लक्ष्य का पीछा किया है, हम उम्मीद कर रहे थे कि यह स्कोर बोर्ड पर होगा। बल्लेबाजी करते समय, हम जानते थे कि हममें से किसी को बल्लेबाजी करनी होगी, लेकिन हम लगातार विकेट खोते रहे।

हम जानते हैं कि यह समूह बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम है, यह वह शुरुआत नहीं थी जिसकी हम उम्मीद कर रहे थे, लेकिन हमें यहां से आगे बढ़ना होगा। न्यूजीलैंड के लिए, इस प्रारूप में अपनी दस मैचों की हार की लय को तोड़ने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता था कि वह एक सुस्त भारतीय टीम पर जीत हासिल करे। कप्तान सोफी डिवाइन ने न्यूजीलैंड की पारी के अंत में सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर के बीच 67 रनों की ओपनिंग साझेदारी के बाद 36 गेंदों में नाबाद 57 रनों की पारी खेली, जिससे उन्होंने चिपचिपी पिच पर 160/4 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। मुझे लगा कि पारी के शुरूआती चरण में सुजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर ने लय तय की। मैं और मेली (एमेलिया

केर) 7-12 ओवरों में शायद थोड़ी धीमी रहीं, लेकिन हम अंत में कड़ी मेहनत करने में सक्षम थे। सोफी ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिलने के बाद कहा, यह बहुत कठिन काम था, गति कम थी और गैप खोजने की कोशिश कर रहे थे। शुरुआत में थोड़ा असहज महसूस हुआ। योगदान देकर वाकई बहुत खुश हूं। हमने पिछले छह महीनों में बहुत मेहनत की है, टीम को उसका इनाम मिलता देखकर अच्छा लगा। दुबई की शाम को ठंडी हवा की मदद से तेज गेंदबाज रोजमेरी मैयर ने 4-19 विकेट, जबकि तेज गेंदबाज ली ताहुहु ने 3-15 विकेट और ऑफ स्पिनर ईडन कार्सन ने पहले चार ओवरों में भारतीय सलामी बल्लेबाजों को आउट करके मैच को खोल दिया।

मुझे इस समूह पर वास्तव में गर्व है। लोग हमारे हालिया परिणामों के बारे में बात कर रहे हैं, भारत जैसी विश्व स्तरीय टीम के खिलाफ़ खेलना, ऐसा प्रदर्शन करना, मैं अभिभूत हूं। हम लंबे समय से इस खेल को लक्ष्य बना रहे थे। मैदान पर उतरना और एक मार्कर बनाना (शानदार है), लेकिन हमें टूर्नामेंट में अभी लंबा रास्ता तय करना है। ह

में जॉर्जिया और सूजी से पावरप्ले में कुछ अच्छी शुरुआत मिली। उन्होंने शानदार इरादे दिखाए। फिर पारी को खत्म करना वाकई महत्वपूर्ण था, ब्रुक हॉलिडे और मैडी ग्रीन ने बेहतरीन खेल दिखाया। हम शायद 10 ओवर पार जा रहे थे, लेकिन हम जानते हैं कि उनकी लाइन-अप कितनी मजबूत है। हमने बल्लेबाजों से उनके सबसे मुश्किल शॉट खेलने के बारे में बात की और गेंदबाजों ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।

भारत के पास ज़्यादा समय नहीं है - रविवार दोपहर पाकिस्तान के खिलाफ़ मैदान पर उतरने से पहले सिर्फ़ एक दिन का आराम है। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के पास 8 अक्टूबर को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का सामना करने से पहले कुछ दिन हैं। हम उन्हें बहुत अच्छी तरह से जानते हैं।

पुलिस की बड़ी सफलता, घटना कारित करने से पहले 01 आरोपी को किया गया गिरफ्तार

हत्या करने की नियत से पन्ना आया शूटर गिरफ्तार, कब्जे से एक पल्सर मो.सा. , एक आटोमैटिक पिस्टल, दो 315 बोर के देशी कट्टा,12 जिंदा कारतूस एवं एक काले रंग का बैग जप्त

पन्ना। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन सागर श्री प्रमोद कुमार, उप पुलिस महानिरीक्षक छतरपुर रेन्ज छतरपुर श्री ललित शाक्यवार व पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री साईं कृष्णा एस. थोटा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पन्ना श्री एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पन्ना एवं पुलिस सायबर सेल टीम पन्ना की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा दिनांक 03/10/24 को मुखबिर सूचना के आधार पर थाना कोतवाली पन्ना क्षेत्रान्तर्गत जनवार मोड़ के पास से हत्या करने की नियत से पन्ना आने वाले एक व्यक्ति को अवैध पिस्टल एवं कट्टा सहित गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 04/10/24 को थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित मिश्रा को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति कस्बा पन्ना में किसी व्यक्ति की हत्या करने की नियत से सतना तरफ से पल्सर मोटर साइकिल से पन्ना आ रहा है। थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना द्वारा उक्त सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा तत्काल थाना कोतवाली पन्ना एवं पुलिस सायबर सेल पन्ना की संयुक्त पुलिस टीम को मुखबिर सूचना की तस्दीक हेतु सतना रोड तरफ रवाना किया गया। मुखबिर सूचना के आधार पर मिली जानकारी के अनुसार मामले में गठित संयुक्त पुलिस टीम द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के उचित दिशा निर्देशन में सतना रोड मे जनवार मोड़ के पास पहुंचकर सतना तरफ से आने वाले वाहनो की सतत निगरानी की गई। कुछ समय बाद सतना तरफ से एक पल्सर मोटर साइकिल आती हुई दिखी। मोटर साइकिल चालक ने जैसे ही पुलिस टीम को जनवार मोड़ के पास देखा वह तुरन्त अपनी मोटर साइकिल सतना तरफ वापस मोड़ने लगा। पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी करते हुये उक्त मोटरसाइकिल चालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति से पूँछताछ किये जाने पर उसके द्वारा अपना नाम पता पुलिस टीम को बताया गया । पुलिस टीम द्वारा कड़ाई से पूँछताछ किये जाने पर उक्त व्यक्ति द्वारा बताया गया कि 02 अन्य लोगो द्वारा मुझे 05 लाख रूपये का लालच देकर एक पल्सर मोटर साइकिल व सामान (01 पिस्टल 02 कट्टा एवं 12 कारतूस)देकर पन्ना में किसी अज्ञात व्यक्ति को शूट करने के लिये भेजा है। उक्त व्यक्तियों द्वारा मुझे शूट करने वाले व्यक्ति का नाम नही बताया गया है। उन दोनो लोगो ने मुझसे कहा था कि हम कल पन्ना में आकर मिलेगें वही आकर बतायेगें। पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपी के कब्जे से 01 अवैध पिस्टल, दो 315 बोर के अवैध कट्टे, 12 जिन्दा कारतूस, 01 काला बैग एवं एक पल्सर मोटर साइकिल को जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 975/24 धारा 318(4), 338, 340(2), 61(2), 49, 317(2), ठछै 25/27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया है। मामले के शेष 02 अन्य आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जावेगा । मामले में विवेचना जारी है।

गिरफ्तार आरोपी- 1. नीलेश उर्फ सत्यम उर्फ नेहाल उम्र 23 साल निवासी ग्राम सिजहनी पोस्ट काँटी थाना बढवारा जिला कटनी म.प्र.। फरार आरोपी'- 1. दीपू उर्फ दीपेन्द्र यादव निवासी बीना सागर जिला सागर। 2. विजय यादव निवासी जगात चौकी पन्ना।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से एक पल्सर मो.सा. कीमती करीब 80000/-रूपये, एक आटोमैटिक पिस्टल, 04 जिंदा कारतूस कीमती 30800/-रूपये, दो 315 बोर का देशी कट्टा कीमती 7000/-रूपये, 315 बोर के 08 जिंदा कारतूस कीमती 800/-रूपये, एक काले रंग का बैग कुल मशरूका कीमती करीब 125600/-रूपये का किया गया। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित मिश्रा, उप निरीक्षक रतिराम प्रजापति, चौकी प्रभारी सिविल लाईन उप निरीक्षक शक्ति प्रकाश पाण्डेय, सउनि रामकृष्ण पाण्डेय, चौकी प्रभारी बराछ सउनि शिशिर मंडल, प्र.आर. बृषकेतू रावत, वीरेन्द्र अहिरवार, सत्येन्द्र बागरी, लक्ष्मीनारायण यादव, संदीप तिवारी, सर्वेन्द्र अहिरवार, शिवस्वरूप तिवारी, अशोक सिंह, मनीष कश्यप आर. विकाश सिंह, संदीप पटेल, अभिषेक यादव, शिवप्रताप, नीलेश प्रजापति, ओमप्रकाश अहिरवार, राहुल सिंह, सत्यनारायण अग्निहोत्री, घनश्याम पटेल, योगेन्द्र पाल, विनय सिंह, चालक प्र.आर. मुन्नालाल कोल व आर. चालक रामा बागरी एवं साईबर सेल पन्ना से साईवर सेल प्रभारी उप निरीक्षक अनिल सिंह राजपूत, प्र.आर. राहुल बघेल, आशीष अवस्थी, धर्मेन्द्र सिंह राजावत, आर. राहुल पाण्डेय, नितिन नवराज का सराहनीय योगदान रहा ।पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उपरोक्त पुलिस टीम को पुरुस्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

छल कपट पूर्वक बेवा की जमीन हड़पने और खाता से पैसे आहरित करने के आरोप

पुलिस अधीक्षक को शिकायती आवेदन सौंप कर जांच व कार्यवाही की मांग

पन्ना। आवेदिका भागवती पिता स्व बिहारी गौड़ निवासी ग्राम सूरजपुरा थाना सुनवानीकला तहसील अमानगंज हाल निवासी ग्राम बांकी गिरौली थाना किशुनगढ़ तहसील बिजावर जिला छतरपुर ने पुलिस अधीक्षक पन्ना के नाम शिकायती आवेदन सौंप कर बताया है कि पिता बिहारी की मृत्यु हो जाने पर पिता कि 5 एकड़ कृषि भूमि वरसाना उत्तराधिकार में प्राप्त हुई थी जिसे आरोपी द्वारा हड़पने के उद्देश्य से बेवा महिला को बहला-फुसला कर एवं रूपयों का लालच देकर एक एकड़ भूमि का विक्रय के स्थान पर धोखाधड़ी पूर्वक 4 एकड़ भूमि की अपने नाम रजिस्ट्री करा कर आवेदिका को भूमि विक्रय के सबंध में दी गई राशि 7 लाख 19 हजार 800 रूपये सैन्ट्रल बैंक शाखा अमानगंज में आवेदिका के बैंक खाता में जरिए चौक जमा कर उसी दिनांक 30 दिसंबर 2022 को आरोपी द्वारा आवेदिका से बिड्रावल पर्ची में अंगूठा लगवाकर एक बार पाँच हजार रूपये दूसरी बार सात लाख रूपये आवेदिका को कैश काउन्टर पर खड़े कर रूपये निकलवाकर आरोपी ने आवेदिका से सम्पूर्ण रूपये छीनकर स्वयं हड़प लिए तथा दिनांक 30 जनवरी 2023 को खाता में बची राशि में से चौदह हजार पाँच सौ रूपये आवेदिका से बिड्रावल में अगूंठा लगवाकर राशि आहरण कर हड़प ली है तथा 4 एकड़ भूमि भी अपने नाम करवाकर भूमि हड़पना चाहता है जिससे आवेदिका परेशान है क्योंकि आरोपी एक आपराधिक प्रवृति का व्यक्ति है जिनके संबंध में आवेदिका द्वारा सैन्ट्रल बैंक शाखा अमानगंज में 06 जून 2023 के सीसीटीवी फुटेज प्राप्त करने हेतु आवेदन देने पर शाखा प्रबंधक द्वारा आवेदन लेने से इन्कार कर कोई कार्यवाही नही की गई। और आरोपी के विरूद्ध कोई प्रमाण साबित न होने से आरोपी के विरूद्ध कोई आपराधिक कार्यवाही नहीं हो पा रही है तथा आरोपी आवेदिका की कृषि आराजी जबरन हड़पने का प्रयास कर रहा है।

नीट परीक्षा में चमका पन्ना जिले का हीरा, ग्राम गढ़ी पड़रिया के किसान के बेटे आर्यन उपाध्याय ने हासिल की 894 में रैंक

पन्ना। जिले के छोटे से ग्राम गढ़ी पड़रिया के रहने वाले आर्यन उपाध्याय पिता कमल किशोर उपाध्याय ने नीट परीक्षा में 894 वीं रैंक हासिल कर पन्ना जिले का नाम रोशन किया है, बता दें कि आर्यन उपाध्याय ने एलजी से कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई सागर में अपने नाना नानी के यहां रहकर की है, वर्तमान में छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। और प्रतिदिन 8 से 10 घंटे पढ़ाई करते हैं। आर्यन के पिता सागर यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने के बाद गांव में खेती किसानी का काम कर रहे हैं। आर्यन ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता पिता नाना नानी बड़ी मां और बड़े पिता को दिया है।

अमानगंज नगर परिषद अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

अमानगंज। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित मुख्यमंत्री आवास पर अमानगंज नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सारिका शारदा खटीक ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी से सौजन्य मुलाकात करते हुए अमानगंज नगर की विकास हेतु सार्थक चर्चा की तथा अमानगंज नगर में कई विकास कार्यों हेतु मांग पत्र भी दिया तथा कई निर्माण कार्यों को प्रारंभ किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान करने हेतु भी मांग पत्र सौंपा। अमानगंज नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सारिका शारदा खटीक ने पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री श्री इंदर सिंह परमार जी से सौजन्य मुलाकात हुई और जिले तथा अमानगंज नगर की विकास हेतु सार्थक चर्चा की।

देवेंद्रनगर सकल दिगंबर जैन समाज की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

माता जी के सामने दिलाई गई पदाधिकारी एवं सदस्यों को सदस्यता की शपथ

देवेन्द्रनगर। सकल दिगंबर जैन समाज में नई कार्यकारणी कमेटी का गठन होने पर निर्वाचन अधिकारियों द्वारा कमेटी के समस्त सदस्यों को माताजी की उपस्थिति में धर्म सेवा व समाज सेवा की शपथ दिलायी गयी। समस्त पदाधिकारियों ने शपथ लेते हुए कहा कि मैं श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन कमेटी के पद हेतु देव शास्त्र गुरु के मंगल सानिध्य में मैं यह शपथ लेता हूं कि मैं मंदिर और समाज के हित के लिए बगैर किसी राग द्वेष के बगैर किसी संत वाद बगैर किसी पंथ वाद के न्याय और नीति पूर्वक कार्य करने और मंदिर की संपत्ति को सुरक्षित संवर्धित करने हेतु समस्त समाज को साथ लेकर पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करूंगा तथा ऐसा कोई कार्य नहीं करूंगा जिससे मंदिर जी की पवित्र परंपरा और संस्कृति को किसी भी प्रकार का कोई आघात पहुंचे। इस प्रकार देवेंद्र नगर जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन (एडवोकेट) उपाध्यक्ष इंद्र चंद जैन (बद्दू भईया) एवम कल्पना जैन महामंत्री रवि कुमार जैन, मुनि

व्यवस्था अध्यक्ष रविन्द्र कुमार जैन (बब्लू), कोषाध्यक्ष संजय जैन (संजू मम्मा) मनीष जैन सहमंत्री राहुल जैन एवम शांत कुमार जैन सहमंत्री राजुल जैन साधना जैन शपथ ली और आर्यिका 105 विरम्याश्री माताजी एवं विसंयोजनाश्री माता जी द्वारा नई कार्यकारिणी तथा समाज को बहुत बहुत आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि हर कमेटी के सदस्य का यह कर्त्तव्य बनता है कि वो जाति-पाति से ऊपर उठकर नगर की समाज को एक साथ लेकर चले और सभी मे एकता लाने का सार्थक प्रयास करें अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान दें तथा भाईचारे को मजबूत करे। इस अवसर पर मंदिर भण्डार संरक्षण हेतु पुनः अशोक कुमार जैन को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रतिष्ठाचार्य पंडित संकेत जैन (विवेक) देवेंद्र नगर द्वारा किया गया, निर्वाचन समिति के पदाधिकारी इंद्रकुमार जैन (जैन सर), सीबीएमओ डाक्टर अभिषेक जैन, डाक्टर प्रमोद जैन, ऑडिटर रविंद्र जैन (बंटी भैया) को धर्म तथा समाज हित को ध्यान में रखते हुए निश्पक्ष निर्भीक होकर चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने पर समस्त समाज ने सम्मानित किया।

छत पर सोलर पैनल लगवाकर करें बिजली बिल में कटौती

पन्ना। पीएम सूर्य घर योजना अंतर्गत उपभोक्ता अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाकर बिजली का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी। विद्युत कम्पनी के कार्यपालन अभियंता अमितेश कुमार मिश्रा ने बताया कि योजना के तहत उपभोक्ता घर की छत के ऊपर सोलर पैनल और संयंत्र स्थापित करवाकर स्वयं बिजली का उत्पादन कर अपने बिल में भारी कटौती कर सकते हैं। योजना में शासन द्वारा अधिकतम 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। सोलर संयंत्र सत्यापन के बाद सब्सिडी आवेदक के बैंक खाते में आएगी। अधिक से अधिक उपभोक्ताओं से इस योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

जिला स्तरीय मोगली बाल उत्सव को लेकर क्विज प्रतियोगिता संपन्न

पन्ना। पर्यावरण प्रदूषण से मानव जीवन पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं समय की मांग है कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं यह बात जिला शिक्षा अधिकारी रवि प्रकाश खरे ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पन्ना में आयोजित जिला स्तरीय मोगली बाल उत्सव 2024 के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए कही। इस अवसर पर प्रतियोगिता में जिला परियोजना समन्वयक अजय गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समुदाय के स्तर पर प्रयास जरूरी है, यदि हम आज सजग नहीं हुये तो आने वाला समय बहुत भयावह हो सकता है, कोरोना काल ने हमें ऑक्सीजन की कीमत का एहसास कर दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य

श्रीमती रंजना खरे ने कहा कि हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं अपने आसपास के परिवेश को साफ-सुथरा रखें। ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को अपनाकर ऊर्जा की बचत करें। कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का प्रयास करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में मास्टर ट्रेनर राजकिशोर शर्मा ने पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल के सहयोग से जिले में पर्यावरण संरक्षण के लिए ईको क्लब के माध्यम से विद्यालय में संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी, तथा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम से जोड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया। इस अवसर पर जिले के पांचों विकास खंड से वरिष्ठ और कनिष्ठ वर्ग की टीमों ने क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, तथा रोचक मुकाबले में वरिष्ठ, कनिष्ठ दोनों वर्ग में विकासखंड अजयगढ़ से कु.रामदेवी शा.उ.मा. विद्यालय हरदी, मनीष सिंह राजपूत सीएम राइस अजयगढ़, कु.आरती पटेल मा. शाला बीहरपुरवा, रंजीत अहिरवार मा. शाला कीरतपुर ने रोमांचकारी मुकाबले में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों विजेता टीमें पेंच राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित राज्य स्तरीय मोगली उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। क्विज का संचालन क्विज मास्टर रामकिशोर गर्ग माध्यमिक शिक्षक शासकीय माध्यमिक शाला सुनहरा द्वारा पांच चरणों में रोचक तरीके से किया तथा निर्णायक के रूप में डॉक्टर रेनी निगम उत्कृष्ट विद्यालय पन्ना, दिनेश कुमार अवस्थी प्रा. शाला पटी, अनीता श्रीवास्तव मा. शिक्षक उ.मा.विद्यालय बृजपुर,नरेंद्र कुमार गुप्ता प्रा. शि. मरहा टोला का भी सराहनीय योगदान रहा।

पवई में मनाई गई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती

पन्ना। ब्लाक कांग्रेस कमेटी पवई के तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर जी की जयंती मनाई गई। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवजीत सिंह भईया राजा उपस्थित रहें। कार्यक्रमा का शुभारंभ गांधी जी के चित्र पर तथा शास्त्री जी के चित्र पर माल्यपर्ण करते हुए किया गया। इस दौरान उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा कहा कि पूज्य बापू एवं शास्त्री जी द्वारा दिये गये संन्देश को हमें आत्मसात करते हुए हमें आंगे बढना है। इस दौरान अनेक लोग उपस्थित रहे। जिसमें मुख्य रूप से सेवा लाल पटेल, ब्लाक अध्यक्ष माखन पटेल, पूर्व अध्यक्ष अजय श्रीवास्वत, भभूत सिंह राजपूत, रमेश द्विवेदी, रम्मुमणि यादव, राम सेवक सिंगरोल, जीवन लाल सिंगरोल, महेश बड़ोरिया, महेन्द्र रजक, मुकेश बागरी, विशप पटेल, शंभू चौधरी, घसोटी चौधरी, महमूद सौदागर, कल्लू वर्मन सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

हर घर नल घर जल के तहत घर-घर पहुंचे पार्षद

अमानगंज। नगर परिषद में इन दिनों वार्ड क्रमांक 5 में अमृत 2.0 पॉइंट अमानगंज वाटर सप्लाई कर हेतु नई लाइन डाली जानी है जिसमें सर्वव्यार के साथ जाकर वार्ड पार्षद पति रामलाल लखेरा द्वारा सर्वे करा कर नई लाइन की व्यवस्था हो सके जैसी सरकार की मंशा है मीठे पानी का नल हर घर तक पहुंचे और प्रत्येक व्यक्ति इसका लाभ ले सके इसके तहत जागरूकता के साथ पार्षद पति घर-घर और मोहल्ले गलियों में पहुंचकर उन्होंने जांच करा कर पाइपलाइन की नई व्यवस्था के लिए सर्वे के साथ लोकेशन डाटा पूर्ण कराया जिससे हर व्यक्ति को इसका लाभ मिल सके शासन द्वारा नगर अमानगंज को लगभग 3 करोड रुपए की राशि प्रदान की गई है जिसमें प्रत्येक वार्ड में यह लाइन डाली जानी है और प्रत्येक घर तक मीठा पानी पहुंचे ऐसी सरकार की मंशा है वार्ड नंबर 5 की पार्षद श्रीमती रोशनी रामलाल लखेरा के द्वारा वार्ड में विकास के लिए सदैव खड़े रहते है जिसकी समस्त नगर एवं वार्ड वासियों ने प्रशंसा की है।

महिला व बालिका सशक्तिकरण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियां जारी

पन्ना। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला एवं बालिका सशक्तिकरण व जागरूकता के लिए आगामी 11 अक्टूबर तक शक्ति अभिनंदन अभियान संचालित किया जा रहा है। गत 2 अक्टूबर से महिला नेतृत्व आधारित महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा और महत्वपूर्ण मुद्दों पर केन्द्रित विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों का निरंतर क्रियान्वयन भी किया जा रहा है। आगामी दिवसों में भी जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास व पुलिस विभाग तथा स्वयंसेवी संगठनों के समन्वय से महिला व बालिका सशक्तिकरण के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न

गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला कलेक्टर द्वारा भी इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी उदल सिंह ठाकुर ने बताया कि महिला व बालिका सम्मान की सामाजिक जागरूकता पहल अंतर्गत 5 अक्टूबर को परिवर्तन की कहानियां तथा रोजगार, बिजनेस, उद्यमिता में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर संवाद कार्यक्रम होगा। साथ ही महिला बुजुर्गों का सम्मान दिवस भी मनाया जाएगा। इसी तरह 7 अक्टूबर को बालिकाओं के प्रशिक्षण के लिए सशक्त वाहिनी पंजीयन और पंचायत व वार्ड स्तर पर सेफ्टी वॉक आयोजित की जाएगी। 8 अक्टूबर को स्कूल और स्वास्थ्य केन्द्रों में मानसिक स्वास्थ्य संवेदीकरण कार्यक्रम और जिला व विकासखण्ड स्तर पर विकास में महिला भागीदारी पर परिचर्चा का आयोजन निर्धारित है, जबकि 9 अक्टूबर को बालिकाओं द्वारा मार्शल आर्ट प्रदर्शन और सकारात्मक पुरूष भागीदारी पर चर्चा एवं महिला सुरक्षा वातावरण निर्माण के लिए शपथ कार्यक्रम होंगे। 10 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेज में साइबर एवं सोशल मीडिया सिक्योरिटी पर प्रशिक्षण तथा सोशल मीडिया कैंपेन आयोजित किया जाएगा। अंतिम दिवस 11 अक्टूबर को शक्ति संवाद के तहत समस्त थानों में महिला सुरक्षा के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

खरीफ फसल पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ी

पन्ना। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटे अनाज (ज्वार व बाजरा) उपार्जन के लिए शासन द्वारा किसान पंजीयन की तिथि 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 14 अक्टूबर कर दिया गया है। धान एवं मोटे अनाज विक्रय करने के लिए पंजीयन स्वयं के मोबाईल या कम्प्यूटर से किया जा सकता है। ग्राम पंचायतों के सुविधा केन्द्र, सहकारी समिति पर नि:शुल्क पंजीयन किये जा रहे हैं। इसके अलावा एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्रों पर और निजी साइबर कैफे पर 50 रुपये शुल्क जमा कराकर पंजीयन करवा सकते हैं। सिकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों के पंजीयन सहकारी समिति के पंजीयन केन्द्रों पर किए जाएंगे। किसान बंधुओं से अनुरोध किया गया है कि समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटे अनाज के विक्रय के लिए अपना पंजीयन समय-सीमा में करायें और असुविधा से बचें।

दीपावली पर आतिशबाजी विक्रय के लिए मिलेगी सशर्त अनुमति एसडीएम को किया अधिकृत

28 अक्टूबर से 12 नवम्बर तक दी जाएगी अनुज्ञप्ति

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार ने दीपावली पर्व पर अस्थाई आतिशबाजी विक्रय की सशर्त ऑनलाइन अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए एसडीएम को अधिकृत किया है। एसडीएम द्वारा अपने क्षेत्र अंतर्गत अनुज्ञप्ति जारी करने के पूर्व यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आतिशबाजी अज्वलनशील सामग्री के बने शेड में रखी जाए एवं यह इस प्रकार से बंद और सुरक्षित हो कि अप्राधिकृत व्यक्तियों की उसमें पहुंच को निवारित किया जा सके। आतिशबाजी के कब्जे और विक्रय के शेड एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर और सुरक्षित कार्य से 50 मीटर की दूरी पर होंगे। शेड का झुकाव एक दूसरे के आमने सामने नहीं होगा। इसके अलावा शेड में या इसकी सुरक्षित दूरी के भीतर तेल से जलने वाले लैंप, गैस लैंप या खुली बत्तियों का उपयोग नहीं किया जाएगा। विद्युत बत्तियों के उपयोग की स्थिति में दीवार या छत पर फिक्स किए जाएंगे। प्रत्येक दुकान के स्विच को दीवालों पर दृढ़ रूप से फिक्स किया जाएगा। साथ ही मुख्य स्विच की शेडों की प्रत्येक पंक्ति में व्यवस्था की जाएगी। आतिशबाजी का किसी शेड के 50 मीटर के भीतर प्रदर्शन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। एक समूह में 50 से अधिक दुकान भी अनुज्ञात नहीं की जा सकेगी। यह रिहायसी क्षेत्र से न्यूनतम 45 मीटर की दूरी पर होना जरूरी होगा। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित है कि प्रत्येक शेड व दुकान में अग्निशामक यंत्र होना अनिवार्य है। दीपावली के समय तीन मीटर के गैप में भी आतिशबाजी का भण्डारण असुरक्षित होने से नहीं किया जाएगा। इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि दुकान का साइज न बढ़ाया जाए और न ही बाजू की अन्य दुकानों में भण्डारण किया जाए। मात्रा से अधिक स्टॉक पर भी रोक रहेगी। दुकान के नक्शे उपलब्ध रखना भी अनिवार्य है। नगरीय निकाय द्वारा पानी की टंकी एवं फायर बिग्रेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। दुकान में आतिशबाजी का वजन व मात्रा भी निर्धारित प्रारूप के अनुसार एवं अनुज्ञप्ति के आधार पर होना जरूरी है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, रविवार 06 अक्टूबर 2024 | 8

सीएम मोहन यादव एवं डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल आज दमोह के सिंग्रामपुर में आयोजित कार्यक्रम में विकास कार्यो का लोकार्पण एवं हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उसी अवसर का दृष्य।

मुख्यमंत्री ने 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को जारी की 1574 करोड़ की राशि

रीवा जिले की 4.10 लाख लाड़ली बहनों के खाते में आई लाड़ली बहना की राशि

रीवा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दमोह जिले के सिंग्रामपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक से लाड़ली बहना के 1.29 करोड़ बहनों के खाते में सिंगल क्लिक से 1574 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 55 लाख हितग्राहियों को 332.71 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की। साथ ही सिंगल क्लिक से लाड़ली बहना योजना की 24 लाख बहनों के बैंक खाते में एलपीजी गैस सिलेंडर अनुदान की 28 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की गई। प्रत्येक सिलेण्डर 450 रुपए में दिया जा रहा है।

रीवा जिले की लाड़ली बहना योजना की 4.10 लाख बहनों के खाते में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरित की। प्रत्येक हितग्राही के बैंक खाते में 1250 रुपए की राशि

अंतरित हुई। यह छोटी सी राशि महिलाओं के लिए बहुत बड़ा सहारा साबित हुई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि आज हमारे प्रदेश की गौरव रानी दुर्गावती का 500वां जन्मदिवस है। साथ ही नवरात्रि का पावन पर्व है। इस अवसर पर बहनों के बैंक खाते में लाड़ली बहना योजना की राशि जारी की गई है। इस राशि में आगे वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी दुर्गावती के सम्मान में उनकी प्रथम राजधानी दमोह जिले के सिंग्रामपुर में आज मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान परिवारों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने का निर्णय पारित किया गया है। सरकार किसानों के कल्याण के लिए सदैव प्रयास करती रहेगी। बैठक में जैन कल्याण बोर्ड के गठन का भी निर्णय लिया गया है। आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रदेश के लाखों किसानों के बैंक खाते में किसान सम्मान निधि की राशि जारी की है। पूरे प्रदेश के किसान प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करते हैं। लाड़ली बहना योजना के संबंध में लगातार दुष्प्रचार किया जा रहा है। इस योजना के लिए बजट में 18284 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह योजना निरंतर लागू रहेगी। समारोह में मुख्यमंत्री ने दमोह जिले के विकास से जुड़ी अनेक घोषणाएं की। राज्य स्तरीय समारोह का जिले भर में सजीव प्रसारण दिखाया गया। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय तथा हितग्राहियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ-साथ सभी विकासखण्डों और ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया।

धान उपार्जन के लिए 39407 किसानों ने कराया पंजीयन

रीवा। जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जाएगा। जिले भर में खरीदी केन्द्रों, कियोस्क सेंटर तथा किसान एप के माध्यम से धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। जिले में 5 अक्टूबर तक 39407 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है। इस संबंध में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले ने बताया कि तहसील त्योंथर में 12609, मनगवां में 5840, तहसील हुजूर में 4748, सिरमौर में 3744, जवा में 3654, गुढ़ में 3125, सेमरिया में 2820, रायपुर कर्चुलियान में 1456 तथा तहसील हुजूर नगर में 1411 किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों द्वारा 64220 हेक्टेयर धान का रकबा दर्ज किया गया है। किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 4 अक्टूबर से बढ़ाकर 14 अक्टूबर कर दी गई है। पंजीकृत किसानों के दर्ज किए गए रकबे का गिरदावरी के अनुसार राजस्व अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जा रहा है।

मिलेट्स मिशन, मोटे अनाज हैं पोषण का भण्डार

रीवा। देश भर में मिलेट्स मिशन चलाया जा रहा है। रीवा जिले में भी कृषि के विविधीकरण के प्रयासों के तहत मोटे अनाजों की पैदावार बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मोटे अनाज उगाने के लिए बड़ी संख्या में किसानों ने प्राकृतिक खेती के लिए पंजीयन कराया है। अन्य अनाजों की तुलना में मोटे अनाज आसानी से पचने वाले और अधिक पोषण देने वाले होते हैं। मोटे अनाजों में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन और कई तरह के खनिज पाए जाते हैं। मोटे अनाज प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन फ्री होते हैं। मोटे अनाज उगाने के लिए परंपरागत खेती की विधियाँ उपयुक्त हैं। इसलिए मोटे अनाज मिट्टी के स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा में भी सहायक होते हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि रीवा जिले ही नहीं पूरे विंध्य क्षेत्र में 50 वर्ष पूर्व तक मोटे अनाजों की बड़े पैमाने पर खेती होती थी। कोदो, ज्वार, मक्का तथा अन्य मोटे अनाज मुख्य रूप से मेहनतकशों और गरीबों का भोजन थे। कम बारिश में भी इनकी अच्छी फसल होती थी। मोटे अनाजों को कई सालों तक बिना किसी दवा के सुरक्षित भण्डारित रखा जा सकता है। मोटे अनाजों की खेती परंपरागत विधि से की जाती थी। खेती का आधुनिकीकरण होने तथा अधिक उत्पादन के लिए रासायनिक खाद एवं अन्य खादों का उपयोग करने के कारण मोटे अनाजों की खेती कम हो गई। इनका उत्पादन अपेक्षाकृत कम होता है, लेकिन इनकी पोषकता अधिक होती है। इसलिए शासन द्वारा मिलेट्स मिशन के माध्यम से मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। चावल और गेंहू के कुल कृषि आच्छादन में 20 प्रतिशत की कमी करके इनके स्थान पर मोटे अनाजों की खेती का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश में 10.8 लाख टन मोटे अनाजों की खेती करनी होगी। मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इनका न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना शुरू किया है।

निगम आयुक्त के निर्देशानुसार शहर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम जारी

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार शहर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार जारी है। दिनांक 05.10.2024 को निरंजन मेडिकल से शारदा ठीहा तक रोड़ पटरी में दोनों तरफ का अतिक्रमण हटवाया गया साथ ही कुछ दुकानदारो द्वारा सामग्री न हटाये जाने की स्थिति में अतिक्रमण प्रभारी द्वारा समान जसी की कार्रवाई की गई।

इसी प्रकार कॉलेज चौराहा के पास बार-बार समझाइस के बाद भी नही हटाया जा रहा था जिस पर कार्रवाई करते हुये अतिक्रमण हटाया गया साथ ही जेसीबी द्वारा बंद गुमटी को भी हटाने की कार्यवाही की गई। धोबिया टंकी से जिला अस्पताल तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण प्रभारी के साथ अतिक्रमण दल मौजूद रहा।

किसान भाई खेतों में संतुलित खाद का उपयोग करें: उप संचालक कृषि

रीवा। उप संचालक कृषि ने किसानों को फसलों में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि किसान भाई खेतों में खाद का संतुलित उपयोग करके कम खर्चे में अधिक फसल प्राप्त कर सकते हैं। सिंचित गेंहू में प्रति हेक्टेयर 16 किलोग्राम यूरिया, 30 किलोग्राम एनपीके तथा 17 किलोग्राम एमओपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में प्रति हेक्टेयर 35 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम एसएसपी तथा 17 किलोग्राम एमओपी का भी उपयोग किया जा सकता है। किसान भाई चना में 25 किलोग्राम एमएसपी का उपयोग प्रति हेक्टेयर करें। सरसों में 16 किलोग्राम यूरिया, 44 किलोग्राम एनपीके तथा 8 किलोग्राम एमओपी का उपयोग प्रति हेक्टेयर करें। इसके विकल्प के रूप में प्रति हेक्टेयर यूरिया 40 किलोग्राम, एसएसपी 38 किलोग्राम तथा एमएसपी 33 किलोग्राम का उपयोग भी किया जा सकता है। उप संचालक कृषि ने कहा है कि इन विकल्पों के प्रयोग से कृषकों को उर्वरक उपलब्धता के अनुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग करने से सहायता मिलेगी।

ननि की टीम द्वारा चलाए जा रहे व्यवसायिक भवनों की अनुज्ञा अनुसार निर्माण और प्रॉपर्टी टैक्स के सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण

रीवा। नगर निगम की टीम द्वारा चलाए जा रहे व्यवसायिक भवनों की अनुज्ञा अनुसार निर्माण और प्रॉपर्टी टैक्स के सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण दिनांक 05/10/2024 को निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे द्वारा किया गया। इस दौरान आयुक्त ने शहर के जोन 03 में वार्ड 13, 15, जोन 01 में वार्ड 03 एवं जोन 04 में वार्ड 26 में भ्रमण कर चल रहे सर्वेक्षण कार्य की प्रगति एवं वस्तुस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो व्यावसायिक भवन

अनुज्ञा के अनुरूप नही निर्माण किए गए है नोटिस जारी कर उनपर कंपाउंडिंग की नियमानुसार कार्यवाही करें एवं प्रॉपर्टी टैक्स की आवासीय टैक्स या व्यावसायिक टैक्स जांच कर अधिरोपित कर पर नियमानुसार कार्यवाही करे। साथ ही ई-पालिका और जीआईएस की डाटा का स्थल परीक्षण कर सत्यापन करें एवं टैक्स प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुचारू बनाने का निर्देश दिया गया। इस दौरान कार्यपालन यंत्री श्री राजेश सिंह, उपायुक्त श्री एमएस सिद्दीकी, सहायक यंत्री श्री एसके गर्ग, श्री संतोष पाण्डेय, श्री पीएन शुक्ला, सहायक राजस्व अधिकारी, उपयंत्री तकनीकी दल एवं राजस्व दल मौजूद रहा।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं अमर शहीदों का पुण्य स्मरण आज

रीवा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं अमर शहीदों का पुण्य स्मरण आज दिनांक 06.10.2024 को सुबह 10 बजे शिल्पी प्लाजा के सामने स्थित विकास कालोनी के मैदान में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें अमर शहीद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार उपस्थित रहेगें। कार्यक्रम के आयोजक डॉ.राजा भइया मिश्रा, प्रशन्न सिंह परिहार, अनिल सिंह तिवारी ने अमर शहीद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों से कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है।

बदमाशों ने दागीं गोलियां, युवक के कंधे, युवती की कलाई छूकर निकली

रीवा। रीवा में बदमाशों ने युवक - युवती को निशाना बनाते हुए तीन गोलियां चलाईं। गोली युवक के कंधे और युवती की कलाई को छूकर निकली। जानलेवा हमला मंगलवार दोपहर शहर के बिछिया में पुलिस पेट्रोल पम्प से 200 मीटर दूर चिरहुला मंदिर मार्ग पर हुआ। युवक - युवती मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे।पुलिस के मुताबिक, गोली युवक की हत्या करने के इरादे से चलाई गई।

शहर के हजारी चौक निवासी गोपाल गुप्ता अपनी दोस्त के साथ दोपहर 1 बजे चिरहुला मंदिर दर्शन के लिए गया था। दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे, तभी हमला हुआ। रैकी के बाद फायरिंग की गई है।सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी, बिछिया थाना प्रभारी भुवनेश्वरी चौहान मौके पर पहुंचीं।

पुलिस ने युवक - युवती की पट्टी कराई, मेडिकल भी कराया।गोपाल ने बताया कि हम मंदिर से निकलकर 400 मीटर आगे ही पहुंचे होंगे, इतने में दो बाइक तेजी से हमारे पीछे आईं। दोनों बाइक पर दो-दो लोग बैठे थे। कुछ समझ पाते, इसके पहले हमलावरों ने पिस्टल निकालकर फायरिंग करना शुरू कर दी। वे मेरी हत्या करना चाहते थे। मुझ पर तमस बंसल ने गोली चलाई है।

तमस बंसल आदतन अपराधी है। वह शहर के बिछिया थाना क्षेत्र के गुढ़ चौराहे का रहने वाला है। उसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं। ज्यादातर मामले मारपीट और लूटपाट से संबंधित हैं। इसके अलावा आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट के मामले भी दर्ज हैं। आरोपी शराब, कोरेक्स और नशीली सामग्रियों की तस्करी जैसे मामलों में शामिल रहा है। इन्हीं मामलों के चलते कई बार जेल जा चुका है।

सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपियों की पहचान की जा चुकी है। हम जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे। बिछिया थाने में पीड़ितों के बयान दर्ज करवाए गए हैं। पीड़ित युवक हमलावरों को जानता है। अभी तक की जांच में सामने आया है कि मामला पुरानी रंजिश का है।

युवक ने साल भर पहले ही कॉलेज की पढ़ाई पूरी की है। पिता किराना की दुकान चलाते हैं। महीने भर पहले युवक की आरोपी से बहस हो गई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच लड़की और प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद है। इसलिए उस समय हमला किया गया, जब युवक और युवती साथ थे।

बीजेपी विधायक ने अमहिया मजार हटाने की मांग की

मुस्लिम समुदाय भड़का, कांग्रेस एमएलए बोले- नहीं हटने दूंगा

रीवा। रीवा जिले के त्योंथर से भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज के बयान से मजार अतिक्रमण का मुद्दा गरमा गया है। विधायक ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर अमहिया स्थित मजार को अतिक्रमण बताते हुए उसे हटाने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी यह बात लोगों के सामने रखी, जिससे रीवा में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय ने विधायक के इस बयान का कड़ा विरोध किया है और इसे उनकी धार्मिक आस्थाओं पर चोट बताया है।

विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा कि रीवा के अमहिया इलाके में स्थित मजार सड़क पर अतिक्रमण कर रही है, जिससे यातायात में परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले यह मजार छोटी थी, लेकिन अब यह धीरे-धीरे बढ़कर आधी सड़क को घेर चुकी है। उन्होंने प्रशासन से नवरात्रि के अवसर पर इस अतिक्रमण को हटाने की मांग की, ताकि लोगों को आने-जाने में हो रही असुविधा से राहत मिल सके।

विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने अपने बयान में कहा, मैं अमहिया में ही पैदा हुआ हूं और पिछले 7-8 दशकों से हमारा परिवार यहां रह रहा है। जब हम छोटे थे, तब मजार छोटी थी और किसी को आने-जाने में कोई समस्या नहीं होती थी। लेकिन अब यह मजार सड़क पर कब्जा कर चुकी है और यातायात बाधित हो रहा है। प्रशासन को नवरात्रि के अवसर पर यह अतिक्रमण हटाना चाहिए।

विधायक के इस बयान पर मुस्लिम समुदाय ने गहरा विरोध जताया है। समुदाय के नेता वसीम राजा ने कहा, विधायक का यह बयान हिन्दू-मुस्लिम एकता को तोड़ने का प्रयास है। मजार वर्षों पुरानी है और इससे हमारी धार्मिक आस्था जुड़ी है। हम इसे हटाने नहीं देंगे। मुस्लिम समुदाय का कहना है कि मजार वक्फ बोर्ड की जमीन पर स्थित है और इसे हटाने की बात माहौल को खराब करने की कोशिश है।

इस मामले में सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने भी मजार को हटाने का विरोध किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि उनकी व्यक्तिगत आस्था मजार से जुड़ी हुई है और किसी भी कीमत पर वे इसे हटाने नहीं देंगे। अभय मिश्रा ने भाजपा पर आरोप लगाया कि यह सब राजनीतिक साजिश के तहत किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सांप्रदायिक तनाव पैदा करना है। यह सब उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के इशारे में हो रहा है।

नक्शा पास करने के बदले मांगे पांच हजार, 2500 रुपये अंतिम किस्त लेती पटवारी पकड़ी गई

रीवा। रीवा के सिरमौर तहसील अंतर्गत तेंदुर की हल्का पटवारी रंगेहाथ दबोची गई है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनयम के तहत कार्रवाई की जा रही है। आरोपी पटवारी से लोकायुक्त की टीम पूछताछ कर रही है। आठ वर्ष पहले भी आरोपी पटवारी 9 हजार रुपये की रिश्वत लेते ट्रैप हुई थी। वो प्रकरण अभी इनके विरुद्ध लंबित है। मंगलवार को ये एक बार फिर ट्रैप हो गई।

2500 रुपये की रिश्वत लेते हुए महिला पटवारी ट्रैप हो गई। जिले के सिरमौर तहसील अंतर्गत तेंदुर हल्का पटवारी को लोकायुक्त की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पटवारी भारती अवधिया ने जमीनी काम के बदले फरियादी से 5 हजार रुपये के रिश्वत की डिमांड की थी। जहां 2500 रुपये की रिश्वत वो पहले ही ले चुकी थी।

धर्मपरिवार के गरबा महोत्सव का शुभारंभ आज से

प्रयागराज के डॉ0 कौशलेन्द्र महाराज और महापौर आयेगें

रीवा। लगातार 26वें वर्ष हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार के स्थानीय कृष्णा राजकपूर आयडोटोरियम मे आज से छः दिवसीय गरबा महोत्सव 2024 का भव्य शुभारंभ प्रयागराज के महान संत डॉ0 कौशलेन्द्र प्रपन्ना चार्य महाराज एवं मुख्य यजमान नगर निगम के महापौर अजय मिश्रा बाबा करेगें। इस अवसर पर अन्य मुख्य यजमानों में संजय गांधी अस्पताल के पूर्व संचालक डॉ0 सी.बी. शुक्ला, उमा परौहा चैरिटेबिल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ0 के0के0 परौहा एवं स्व0 रामसुजान सिंह ट्रस्ट की डॉ0 ज्योति सिंह अपनी विशेष उपस्थित दर्ज कराके गरबा कलाकारों का उत्साह वर्धन करेगें। आयोजन की तैयारियों को

अंतिम रूप दिया जा चुका है, यह जानकारी धर्मपरिवार के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू ने दी है।

कार्यक्रम संयोजक राजीव वर्मा गुड्डू ने बताया कि गरबा कलाकारों के लिये आकर्षक सजावट के साथ विशाल मंच तैयार कराया गया है। श्रद्धालु दर्शकों की आने वाली संख्या को देखकर व्यवस्थित बैठकी बनाई गई है। कलाकरों एवं आमंत्रित अतिथियों के लिये विशेष दीर्घा रखी गई है। गरबा महोत्सव प्रतिदिन सायं 7 बजे प्रारंभ हो जायेगा। दर्शकों से समय पर आकर अपना स्थान सुरक्षित करने का आग्रह किया गया है। मंच संयोजक एवं युवा अध्यक्ष सुमित माँजवानी ने जानकारी दी है कि मंचासीन अतिथियों का स्वागत धर्मपरिवार के संस्थापक आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी, सह संरक्षक सुनील अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसखा यादव, युवा संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू, युवा संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा एडवोकेट करेगें।

धर्मपरिवार के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू ने नव दुर्गा की अग्रिम शुभकामनायें देते हुये सभी नगर वासियों से अपनी उपस्थिति परिवारजनों से सहित दर्ज कराने पधारने की प्रार्थना की है। यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833